हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्ष: 7, अंक: 296, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 20 अप्रैल, 2023 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

कोर्ट ने तीनों शूटरों की 4 दिन की रिमांड मंजूर की

क्राइम सीन रीक्रिएट कर सकती है पुलिस, आरोपियों से मोबाइल और हथियार को लेकर होंगे सवाल

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या करने वाले तीनों शूटरों को लेकर सीजीएम कोर्ट लेकर पहुंची। माफिया अतीक और अशरफ की ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या करने वाले शूटर लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्य को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेशी के लिए सीजेएम कोर्ट लाया गया। पुलिस की रिमांड अर्जी पर कोर्ट में सुनवाई हुई। पुलिस ने तीनों शूटरों की 14 दिन की रिमांड मांगी है। लेकिन कोर्ट ने तीनों शूटरों की चार दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की। कोर्ट ने आरोपियों को रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस की टीम ने आरोपियों से पूछताछ के लिए 100 से ज्यादा सवाल तैयार किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों से मोबाइल और हथियार को लेकर सवाल होंगे। पुलिस की टीम क्राइम सीन रिक्रिएट कर सकती है। मंगलवार को हत्याकांड की जांच के लिए गठित एसआईटी टीम ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) दिनेश कुमार गौतम की कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों को

तलब करने की मांग की थी। सीजेएम ने पुलिस को आदेश दिया है कि आरोपियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में पेश किया जाए। कस्टडी में ही अतीक और अशरफ की हत्या के कारण देर शाम तक कचहरी की सुरक्षा व्यवस्था का पुलिस अधिकारियों ने जायजा भी लिया। तीनों आरोपी प्रतापगढ़ जेल में बंद थे। अतीक के गुर्गों के खौफ के कारण आरोपियों को नैनी जेल से सोमवार को ही प्रतापगढ़ भेजा गया था। शूटरों को कचहरी तक लाए जाने के दौरान पूरे रास्ते चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात रहे। कचहरी छावनी में तब्दील है। जांच एजेंसियों के साथ-साथ आरएएफ और पीएसी के जवानों की तैनाती है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन और आयशा नूरी कौशांबी के कछार में छिपे हैं। शाइस्ता और आयशा के साथ शूटर साबिर भी है। शाइस्ता और आयशा नूरी लगातार नंबर बदल रहे हैं।

अब्बास अंसारी की मुश्किलें बढ़ीं, हेट स्पीच मामले में जमानत याचिका खारिज

मऊ। विधानसभा चुनाव के दौरान एक जनसभा में अधिकारियों को धमकी देने के मामले में आरोपी विधायक अब्बास अंसारी की ओर से सीजेएम एमपी/ एमएलए कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दी गई थी। जिस पर सीजेएम श्वेता चौधरी ने अब्बास अंसारी के अधिवक्ता और सहायक अभियोजन अधिकारी रविंद्र प्रताप यादव के तर्कों को सुनने तथा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद जमानत अर्जी खारिज कर दी। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार एसआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में अपराध संख्या 97/ 22 धारा 506, 171च भादवि के तहत एफआईआर दर्ज हुई। इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी व अन्य को आरोपी बनाया गया। आरोप था कि 3 मार्च 22 को विधानसभा चुनाव के दौरान सदर विधानसभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने नगर क्षेत्र के पहाड़पुर मैदान में जनसभा के दौरान कहा कि जनपद मऊ के प्रशासन को चुनाव के बाद रोककर हिसाब किताब करने व इसके बाद सबक सिखाने की धमकी मंच से दी गई थी। पुलिस ने विवेचना मे मामले में धारा 506, 171 एफ,186,189,153 ए, 120 बी भादवि मे सदर विधायक अब्बास अंसारी व उनके भाई उमर अंसारी, इलेक्शन एजेंट गाजीपुर जनपद के पुरानी कचहरी यूसुपुर मुहम्मदाबाद निवासी मंसूर अंसारी आदि के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया है।

सूडान संकट पर भारत कर रहा यूएस, यूके और अन्य देशों के साथ बातचीत, दिया समर्थन का आश्वासन

नई दिल्ली। सूडान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत विभिन्न देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसकी जानकारी बुधवार को विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने दी। नई दिल्ली इस मुद्दे पर अमेरिका, ब्रिटेन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के चौकड़ी देशों के साथ बातचीत कर रही है क्योंकि इन देशों की अहम भूमिका है। अधिकारियों ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने सऊदी अरब और यूएई के समकक्षों से बात की है। मंत्रालय ने कहा कि दोनों ने जमीनी स्तर पर अपने समर्थन का आश्वासन दिया। मंत्रालय ने कहा कि वाशिंगटन डीसी में हमारे राजदूत और लंदन में उच्चायुक्त अपनी-अपनी मेजबान सरकारों के संपर्क में हैं। हम संयुक्त राष्ट्र के साथ काम कर रहे हैं, जिसकी सूडान में पर्याप्त उपस्थिति है। मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली में हमने एक समर्पित नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। हम खार्तूम में अपने दूतावास के साथ लगातार संपर्क में हैं और भारतीय समुदाय की स्थिति की नियमित रिपोर्ट प्राप्त कर रहे हैं। बदले में दूतावास व्हाट्सएप समूहों सहित कई तरीकों से समुदाय और व्यक्तियों के संपर्क में है। इसमें कहा गया कि सूडान में सड़कों पर स्थिति काफी तनावपूर्ण है और इस समय आवाजाही बहुत जोखिम भरी है।

चीन-पाक सहित 155 देशों व 7 महाद्वीपों की नदियों व समुद्री जल से होगा भगवान रामलला का जलाभिषेक

केंद्रीय मंत्री गडकरी के घर पर रखा गया भारत पहुंचा पवित्र जल कलश

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर का निर्माण कार्य जोर-शोर से जारी है। माना जा रहा है कि साल 2024 तक मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। इसी बीच रामलला के मंदिर का जलाभिषेक किया जाएगा। जलाभिषेक के लिए 155 देशों समेत 7 महाद्वीपों की नदियों और समुद्रों का जल भारत लाया गया है। इस पवित्र जल को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के घर पर रखा गया है। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार पवित्र जल को एक तांबे के लोटे में रखा गया है और उसे पीले रंग के राम-राम लिखे कपड़े से पैक किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 अप्रैल को रामलला का जलाभिषेक करेंगे। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि 155 देशों से पावन जल लाया गया है,

ये बहुत ही ऐतिहासिक है। मैं विजय जोली और उनके सहयोगियों को इस कार्य के लिए बहुत धन्यवाद देता हूं, उनका अभिनंदन करता हूं। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता विजय जॉली ने बताया कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की पवित्र नदियों में से एक रावी नदी का जल भी इसमें शामिल है। हालांकि, पाकिस्तान से जल लाना आसान नहीं था, लेकिन फिर दुबई के रास्ते इस जल को भारत लाया गया। जलाभिषेक में पाकिस्तान और रूस से लेकर फ्रांस, जर्मनी, जॉर्जिया, स्विट्जरलैंड, इटली, इराक, कनाडा, चीन, भूटान, अफगानिस्तान, ब्राजील, डेनमार्क जैसे कुल मिलाकर 155 देशों का जल शामिल है। जलाभिषेक में विदेशों के भी राजनयिक, धार्मिक और आध्यात्मिक गुरुओं के साथ गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित करने की तैयारी है।

मैं अभी भी भाजपा का कार्यकर्ता, भाजपा में ही रहना चाहूगा हूं: मुकुल रॉय

कोलकाता (ईएमएस)। अनुभवी टीएमसी नेता मुकुल रॉय के अगले कदम के बारे में राजनीतिक पंडित कई तरह के कयास लगा रहे हैं। वहीं अब उन्होंने कहा कि वह अभी भी एक भाजपा विधायक हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलना चाहता हूं, क्योंकि वह भगवा गुट में लौटने के इच्छुक हैं। रॉय के बीते दिनों कुछ निजी काम के लिए नई दिल्ली जाने की बात सामने आई। हालांकि शुरू में उनके परिजनों ने दावा किया कि रायलापता थे, और में भाजपा पर टीएमसी नेता का उपयोग करने का आरोप लगाया गया। मुकुल ने कहा कि मैं एक भाजपा विधायक हूं। मैं भाजपा के साथ रहना चाहता हूं।

'समलैंगिकों के विवाह पर राज्यों के विचार लेने जरूरी', सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का हलफनामा

नई दिल्ली। समलैंगिकों के विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो चुकी है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है

कि वह इस मामले में सभी राज्यों का पक्ष जानें। इसके लिए केंद्र ने राज्यों को भी पत्र लिखकर इस मामले पर उनके विचार मांगे हैं। केंद्र ने पहले सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया था कि समलैंगिक जोड़े के लिए शादी करने के अधिकार की मांग करने वाली याचिकाओं पर कार्यवाही में सभी राज्यों को पक्षकार बनाया जाए। लेकिन कोर्ट ने इस अनुरोध को खारिज कर दिया था। हालांकि अब केंद्र ने राज्यों को पत्र लिखकर इस मामले पर उनके विचार मांगे हैं। गौरतलब है, याचिकाकर्ता पक्ष समानता और सम्मान से जीवन जीने के अधिकार का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट से समलैंगिकों के विवाह को मान्यता देने की मांग कर रहा है। वहीं केंद्र सरकार ने सुनवाई का कड़ा विरोध करते हुए कहा था कि यह विषय ऐसा नहीं है जहां पांच विद्वान लोग बैठकर पूरे समाज के बारे में फैसला कर दें। ऐसे में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया था कि समलैंगिकों के विवाह की मांग करने वाली याचिकाओं पर कार्यवाही में सभी राज्यों को पक्षकार बनाया जाए। हालांकि कोर्ट ने इस अनुरोध को खारिज कर दिया। अब केंद्र ने राज्यों को पत्र लिखकर समलैंगिकों के विवाह पर उनके विचार मांगे हैं। केंद्र का कहना है कि राज्यों के साथ विचार-विमर्श करने और कोर्ट के सामने अपने विचार रखने की अनुमति मिलनी चाहिए। साथ ही तब तक के लिए सुनवाई को स्थगित कर देना चाहिए।

अतीक- अशरफ हत्याकांड मामले में थाना प्रभारी व एसआई समेत पांच पुलिसकर्मी सस्पेंड

प्रखर प्रयागराज। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में थाना प्रभारी शाहगंज अश्विनी कुमार सिंह, एक दरोगा समेत पांच पुलिसकर्मी सस्पेंड कर दिए गए हैं। जांच में प्रथम दृष्टया लापरवाही बरती जाने का मामला पाया गया है। जिस काल्विन अस्पताल में यह घटना हुई वह शाहगंज थाना क्षेत्र में ही आता है। बड़ी बात यह है कि घटना स्थल थाने से महज 50 मीटर की ही दूरी पर स्थित है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस धूमनगंज इंस्पेक्टर राजेश कुमार मौर्या की कस्टडी में रहने के दौरान अतीक अशरफ की हत्या हुई, उसके खिलाफ अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। उमेश पाल हत्याकांड में भी धूमनगंज इंस्पेक्टर पर नरमी बरती गई।

महाराष्ट्र: पोस्टर में अतीक और अशरफ को बताया 'शहीद', तीन आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के समर्थन में महाराष्ट्र में पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में दोनों भाइयों को शहीद कहा गया है। अतीक और अहमद को शहीद बताने वाले पोस्टर लगने के बाद हंगामा हो गया है। वहीं, इस मामले में पुलिस ने भी कार्रवाई की है। पुलिस ने अतीक और अशरफ के पोस्टर के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस भी दर्ज हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 293, 294 और 153 के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने ये कार्रवाई विश्व हिंदू परिषद (विहिप) नेता की शिकायत पर की है। बता दें कि महाराष्ट्र के बीड में अतीक और उसके भाई अशरफ के समर्थन में पोस्टर लगाए गए थे। माजलगांव में लगे पोस्टरों में दोनों भाइयों को शहीद कहा गया है। पोस्टरों की जानकारी मिलते ही

पुलिस ने इन्हें हटवा दिया था।

विहिप का प्रदर्शन- अतीक और अशरफ के समर्थन में लगे पोस्टरों की खबर लगते ही शहर में हंगामा शुरू हो गया। विहिप के कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने लगे। मामले को देखते हुए पुलिस ने फौरन पोस्टरों को हटवा दिया था।

अतीक-अशरफ को गोलियों से भून दिया था- उमेश पाल हत्याकांड मामले में अतीक और अशरफ को पुलिस ने रिमांड पर लिया था। काल्विन अस्पताल में मेडिकल के लिए ले जाते वक्त ताबड़तोड़ फायरिंग कर दोनों भाइयों की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने अरुण, सनी और लवलेश तिवारी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों को रिमांड पर भेजा गया है।

बसपा से निष्कासित किए जाने का मामला, पूर्व विधायक अमन मणि बोले- मायावती उन्हें पार्टी से निकाल सकती हैं

महराजगंज। नौतनवा के पूर्व विधायक अमन मणि त्रिपाठी को मंगलवार की रात बहुजन समाज पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहने व अनुशासनहीनता के चलते उनके खिलाफ यह कार्रवाई हुई है। पूर्व मंत्री

अमरमणि त्रिपाठी के पुत्र अमन मणि साल भर पहले हुए विधानसभा चुनाव के दौरान बसपा में शामिल हो नौतनवा विधानसभा से चुनाव लड़े थे। लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। आगामी नगर निकाय चुनाव में उनके द्वारा पार्टी लाइन से इतर जाकर निर्दल प्रत्याशी खड़ा किया गया है। जिसके चलते उनके खिलाफ निष्कासन की कार्रवाई हुई है।बसपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार राव ने बताया कि अमन मणि के खिलाफ लंबे समय से पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने की शिकायत मिल रही थी। इस बारे में उन्हें पार्टी द्वारा कई बार चेतावनी भी दी गई, लेकिन इनकी कार्य प्रणाली में कोई सुधार नहीं हुआ। नगर निकाय चुनाव में नौतनवा नगर पालिका के प्रत्याशी को लेकर वह पार्टी को गुमराह करते रहे , जिससे वहां कोई भी अधिकृत प्रत्याशी नहीं उतारा जा सका। जिसके चलते पार्टी हित में उन्हें निष्कासित कर दिया गया है। पूर्व विधायक अमन मणि ने कहा कि उन्हें बसपा से निष्कासित करने की जानकारी नहीं है। मुझे बहन मायावती ने पार्टी से जोड़ा था। वही मुझे निष्कासित कर सकतीं हैं। जिलाध्यक्ष को मुझे निष्कासित करने का अधिकार नहीं है।

यूएन का दावा- भारत ने आबादी में चीन को पीछे छोड़ा इस साल ही ड्रैगन से 30 लाख ज्यादा हो जाएगी जनसंख्या

नई दिल्ली। भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे आबादी वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भारत की आबादी 142.86 करोड़ हो गई है। जबकि चीन की आबादी 142.57 करोड़ है। गौरतलब है, संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार सुबह एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें कहा गया था कि भारत इस साल के मध्य तक दुनिया का सबसे आबादी वाला देश बन जाएगा। साथ ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला कि भारत 30 लाख से अधिक लोगों के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा।

अमेरिका तीसरे नंबर पर- संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023 के जनसांख्यिकीय आंकड़ों का अनुमान है कि चीन की 142.57 करोड़ की तुलना में भारत की जनसंख्या 142.86 करोड़ है। अगर आंकड़ों पर गौर करें तो अमेरिका 34 करोड़ की आबादी के साथ तीसरे नंबर पर है।

165 करोड़ जा सकती है आबादी- यूएनएफपीए की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 वर्ष के आयु वर्ग की है। वहीं 18 प्रतिशत 10 से 19 आयु वर्ग, 26 प्रतिशत 10 से 24 आयु वर्ग, 68 प्रतिशत 15 से 64 वर्ष आयु वर्ग में और 65 वर्ष से ऊपर 7 प्रतिशत है। वहीं, विभिन्न एजेंसियों के अनुमानों ने सुझाव दिया

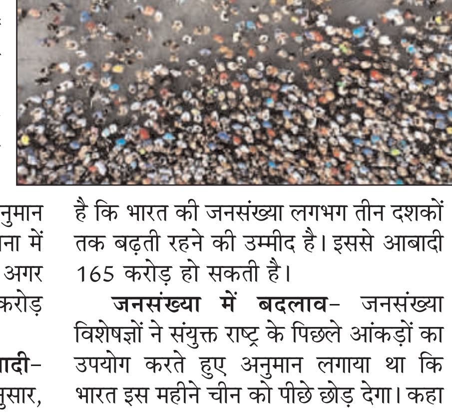

है कि भारत की जनसंख्या लगभग तीन दशकों तक बढ़ती रहने की उम्मीद है। इससे आबादी 165 करोड़ हो सकती है।

जनसंख्या में बदलाव- जनसंख्या विशेषज्ञों ने संयुक्त राष्ट्र के पिछले आंकड़ों का उपयोग करते हुए अनुमान लगाया था कि भारत इस महीने चीन को पीछे छोड़ देगा। कहा गया था कि अभी यह नहीं पता है कि इस बदलाव में कितना समय लगेगा। लेकिन बुधवार दोपहर तक संयुक्त राष्ट्र ने एक और रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन गया है। हालंकि भारत की जनगणना साल 2011 में हुई थी।

छह दशकों में पहली बार चीन की आबादी में कमी- गौरतलब है, पिछले साल छह दशकों में पहली बार चीन की आबादी में गिरावट आई थी। इसके बाद चीन की आबादी में कमी ही देखी जा रही है। कहा जा रहा है कि इसका असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि 2011 के बाद से औसतन 1.2 फीसदी रही है, जबकि पिछले 10 वर्षों में यह 1.7 फीसदी थी। यूएनएफपीए इंडिया के प्रतिनिधि एंड्रिया वोजनार ने कहा कि भारतीय सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या का असर आम लोगों पर पड़ रहा है।

गैस सिलेंडर रिसाव से लगी आग, खाना बना रही बीडीसी महिला सहित बेटी की झुलसने से मौत

प्रखर देवरिया/ एजेन्सी। जिले में दिल दहला देने वाली दुर्घटना सामने आई है। जहा पर गैस सिलेंडर पर खाना बना रही थी और अचानक आग लग गई, जिसके बाद झुलसकर महिला सहित दो की मौत हो गई। बता देगी मामला करौता गांव निवासी उपेंद्र मद्धेशिया की पत्नी नीतू मद्धेशिया क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं। दोपहर में वह खाना बना रही थी, तभी अचानक गैस में रिसाव के कारण आग लग गई। उसी कमरे में उनकी बेटी भी थी। आग की चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार करौता गांव निवासी उपेंद्र मद्धेशिया की पत्नी नीतू मद्धेशिया 35 वर्ष जो क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं। दोपहर को वह खाना बना रही थी, तभी अचानक गैस में रिसाव के कारण आग लग गई। उसी कमरे में उनकी बेटी भी थी, आग देखकर मां-बेटी दोनों घर में ही छिप गई। आग लगते ही तेजी से पूरे घर में फैल गई। इससे मां-बेटी आग की चपेट में आ गए। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गए। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और दोनों को घर से निकाला। स्थानीय लोगों ने उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसिया चन्दौर ले गए। स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें देवरिया जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। वही एसआई अरविंद कुमार ने बताया कि दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए हैं। सूचना मिनी है कि दोनों की मौत हो चुकी है। शवों को लेकर परिजन घर आ रहे हैं।

संपादकीय

छूट की सीमा

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने में उसकी ओर से बिजली मुफ्त मुहैया कराए जाने के वादे ने बड़ी भूमिका निभाई थी। इस मुद्दे पर पार्टी को जनता के एक बड़े हिस्से का समर्थन मिला था। इस पर काफी हद तक अमल भी हुआ, जिसका फायदा दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों को मिला। हालांकि इस मसले पर अनेक सवाल उठे थे कि मुफ्त बिजली की योजना की वजह से राजस्व पर पड़ने वाले बोझ की भरपाई कैसे होगी। लेकिन बीते कई साल से यह नीति लागू रही। अब अलग-अलग कारणों से इस मामले में जिस तरह की खींचतान शुरू हो गई है, उससे जनता के बीच इस सुविधा के जारी रहने को लेकर स्वाभाविक ही आशंका खड़ी हो गई है। दरअसल, हाल ही में दिल्ली सरकार ने दावा किया कि चूंकि उपराज्यपाल ने फाइल पर हस्ताक्षर करके नहीं भेजा, इसलिए उपभोक्ताओं को बिना सबसिडी वाली बिजली नहीं मिलेगी। एक तरह से दिल्ली सरकार की ऊर्जा मंत्री ने उपराज्यपाल पर यहां के छियालीस लाख परिवारों को मिलने वाली बिजली सबसिडी रोकने का आरोप लगाया। जाहिर है, इसके बाद यह मसला राजनीतिक खींचतान और आरोप-प्रत्यारोप में तब्दील हो गया। फाइल रोके जाने की खबर के कुछ समय बाद ही चूंकि उपराज्यपाल की ओर से इसकी मंजूरी मिलने की खबर आ गई थी, इसलिए इस मामले को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा ने एक-दूसरे पर जनता को सुविधाओं से वंचित करने का आरोप लगाया। लेकिन अब जिस तरह उपराज्यपाल ने एक पत्र के माध्यम से दिल्ली सरकार के आरोपों को झूठा बताते हुए उसके प्रमाण मांगे हैं और ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है, उससे यही लग रहा है कि इस मसले पर दोनों पक्षों के बीच टकराव फिलहाल खत्म नहीं हुआ है। सवाल है कि सरकार में होने के बावजूद आम आदमी पार्टी के नेता या मंत्री को क्या किसी नीतिगत फैसले की घोषणा, उसकी मंजूरी और उसे लागू करने की प्रक्रिया में लगने वाले समय के बारे में अंदाजा नहीं है! अगर सरकार को ऐसा लगा भी कि बिजली सबसिडी के फैसले पर उपराज्यपाल की मंजूरी में देरी होने के मामले में कोई प्रक्रियागत खामी है, तो क्या इसे सार्वजनिक रूप से राजनीतिक मुद्दा बनाने से पहले स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार नहीं कर लेना चाहिए था? किसी भी व्यवस्था में लोक-लुभावन सरकारी योजनाओं के साथ एक समस्या यह होती है कि उससे किसी पार्टी को आम लोगों का समर्थन तो मिलता है, मगर एक हद के बाद कोई योजना सरकारी कोष के लिए बोझ भी साबित होने लग सकती है। उसके बाद इस बात पर विचार होने लगता है कि नागरिकों को मुफ्त में दी जा रही किसी सेवा का दायरा क्या कुछ कम या सीमित किया जाए! ऐसे में सरकार की ओर से चलाई जा रही किसी योजना के लाभ या मुफ्त सेवा में कटौती होती है तो उसके लाभार्थियों के बीच असंतोष या नाराजगी पैदा होती है। सरकार के लिए यही दुविधा का वक्त होता है कि कोई सेवा मुफ्त मुहैया कराने के जिस भरोसे पर उसने लोगों का समर्थन और वोट हासिल किया था, उसे किस रूप में कायम रखे या बंद कर दे। कायदे से सही यह है कि सत्ता में आने के लिए किसी पार्टी या फिर सरकार को जनता से सिर्फ वही वादा करना चाहिए, जिसे बिना किसी बोझ के पूरा किया जा सके। अगर मुफ्त सेवा या सुविधा से राजस्व पर बोझ बढ़ता है और उसकी भरपाई जनता से किसी अन्य तरीके से की जाती है तो उसे किस तरह देखा जाएगा?

भारत रत्न मामला!

पार्टी से निकाला ।
दिए थे बयान ।।
भारत रत्न मामला ।
आंच आई आन ।।
उहापोह स्थिति पर ।
झटपट ये कर डाला ।।
वरना आगे जपते ।
विरोधी रोज माला ।।
देर ना लगाई ।
कर लिया किनारा ।।
ढूंढ लेंगे आगे ।
अलग कुछ सहारा ।।
आ जाती ये नौबत ।
है होता अफसोस ।।
काडर जो है मूल ।
है पनपता रोष ।।

–कृष्णेन्द्र राय

पारिवारिक झगड़ों में उलझे बच्चे

पति-पत्नी के अलगाव के मामले में कानूनी उलझनों के साथ भावनात्मक पक्ष भी जुड़ा होता है। खासकर बच्चों के संरक्षण और इस जिम्मेदारी के सही निर्वहन से जुड़ी बातें एक साथ तीन पीढ़ियों को प्रभावित करती हैं। रिश्तों की बदलती संरचना और आपसी जुड़ाव को लेकर बढ़ती जद्दोजहद का ही नतीजा है कि देश के हर वर्ग में पारिवारिक विवाद बढ़ रहे हैं। नतीजतन, बहुत से बच्चों का भविष्य भी अधर में लटक जाता है। अभिभावकों का अलगाव बच्चों के जीवन को भी अशांत और उलझन भरा बना देता है। चर्चित चेहरे हों या आम परिवार, माता-पिता के रिश्तों का बिखराव बच्चों के मन और जीवन को भी बिखेर देता है। पति-पत्नी के झगड़ों के अधिकतर मामलों में बरसों बरस चलने वाली कानूनी लड़ाई बच्चों का जीवन भी मुश्किल बना देती है।

बच्चों की देखरेख से लेकर उनकी सहज जरूरतों तक, बहुत-सी चीजों का बंटवारा बालमन को उलझा कर रख देता है। भावनात्मक मोर्चे पर बच्चे उलझनों में घिर जाते हैं, तो व्यावहारिक जीवन में असुरक्षा का भाव जड़ें जमा लेता है। कई मामलों में तो साझा परवरिश की जगह मां का अधिकार ज्यादा या पिता का हक अधिक का खेल, सालों साल चलता है। दोनों पक्ष आपसी बातचीत से अपने मामले को सुलझाने की राह पकड़ने के बजाय कानूनी पेचीदगियों में उलझ कर रह जाते हैं। दुखद है कि बिना किसी गलती की सजा के समान यह बिखराव बच्चों के हिस्से भी आता है। आए दिन होने वाली अनबन और उलझन के हालात में बालमन की उम्मीदें भी बिखरती हैं। विस्कोन्सिन मेडिसिन यूनिवर्सिटी के शोध के मुताबिक जो बच्चे अस्थिर परिवारों में बड़े होते हैं, उनके व्यवहार में चिंता, तनाव और कम आत्मसम्मान देखने को मिलता है। रिसर्च यह भी बताता है कि बच्चों के विकास पर कई कारणों का असर पड़ता है, जैसे उदास माता-पिता के साथ रहना, अस्थिर और अशालीन माहौल में जीना, परिवार में अनबन देखना आदि, जिसके चलते वे न सिर्फ पढ़ाई में पिछड़ जाते, बल्कि मानवीय गुणों को सीखने-समझने में भी। बच्चे एक अधूरे से व्यक्तित्व के रूप में बड़े होते हैं। जो कई तरह की नकारात्मकता लिए होता है।

निस्संदेह, अभिभावकों के संबंधों की उलझनों से बच्चों के व्यक्तित्व और विचार दोनों पर ही दुष्प्रभाव पड़ता है। बालमन भी ऐसी परिस्थितियों से मिली उहापोह से नहीं बच पाते। अक्सर देखने में आता है कि अलग होने की प्रक्रिया और उसके बाद भी अभिभावकों की लड़ाई चलती ही रहती है। बच्चे के अभिभावकत्व को लेकर बरसों आपसी तनाव का माहौल बना रहता है। इस खेल में बच्चों का जीवन बिखर कर रह जाता है। बच्चों का विश्वास टूटता है। मन में भय और असुरक्षा घर कर जाते हैं। बच्चे अपनों के बीच भी रह कर अकेले हो जाते हैं। किसी भी परिवार में साथ रहने की परिस्थितियां हों या अलगाव के हालात, संवेदनशील और सौहार्दपूर्ण व्यवहार जरूरी है। वरना बच्चे निराशावादी और अवसाद का शिकार बनने लगते हैं।

बड़ों की अनबन की वजह से बने हैरान-परेशान कर देने वाले पारिवारिक वातावरण के कारण बच्चों को अपना वर्तमान ही इतना उलझन भरा लगने लगता है कि उनका मन आने वाले कल को लेकर भी आशाएं नहीं संजोता। ऐसे में बच्चे आत्मकेंद्रित और अकेलापन जीने के आदी हो जाते हैं। अकेलेपन के शिकार बच्चे इलेक्ट्रानिक उपकरणों के भी लती होकर अपने आप तक सिमट जाते हैं।

समझना मुश्किल नहीं कि ऊपर से शांत दिखने वाले बालमन में उसकी गुस्से और चिंता का एक शोर दबा होता है। सबसे बड़ी मुश्किल तब आती है, जब इन कठिनाइयों के बीच पिसते बच्चों का धैर्य जवाब दे जाता है और वे आत्महत्या या घर छोड़ देने जैसा कदम उठा लेते हैं। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें बच्चे अभिभावकों के झगड़ों से तंग आकर घर छोड़ देते हैं। आपराधिक तत्त्वों के चंगुल में फंस जाते हैं और कभी वापस नहीं लौट पाते। दरअसल, बरसों साथ रहने के बाद भी वैवाहिक संबंधों का बिखरना आज का कटु सच बन गया है। ऐसे में तलाक के बढ़ते आंकड़े बच्चों के लिए भी नकारात्मक परिवेश बना रहे हैं। यही वजह है कि अलगाव की प्रक्रिया में भी सहज संवाद जरूरी है। साझा जीवन के बाद अलग होने की राह पर बहुत से मुद्दों पर सहमति नहीं होती। चाहे-अनचाहे कटुता भी डेरा जमा लेती है।

बीतते समय के साथ समस्याएं ज्यादा और आपसी सरोकार कम होते जाते हैं। ऐसे में न्यायालय द्वारा बातचीत से मामला सुलझाने की सलाह बेहद व्यावहारिक लगती है। इस सलाह के पीछे एक वजह लंबित मामलों की बढ़ती सूची भी है। ऐसे में मामले का निपटारा होने तक कई मामलों में तो बच्चों का बचपन ही निकल जाता है। बीते साल संसद में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक देश की अलग-अलग पारिवारिक अदालतों में लगभग 11.4 लाख मामले लंबित हैं। गौरतलब है कि देश के छब्बीस राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में कुल 715 पारिवारिक अदालतें हैं। बावजूद इसके, मामलों का निपटारा बरसों तक नहीं हो पाता। भारत हर मामले में दुनिया में सबसे अधिक लंबित अदालती मुकदमों वाला देश है। कुल मिलाकर भारत की अदालतों में 4.70 करोड़ मामले लंबित हैं। इनमें 6.5 लाख से भी अधिक विवाह संबंधी मामले हैं। ऐसे में मामूली मनमुटाव से उपजी स्थितियां भी कई बार लंबी कानूनी लड़ाई का कारण बन जाती हैं। साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर बच्चों की मनःस्थिति बिगाड़ने वाला साबित होता है। वाकई यह गौरतलब पहलू है कि जिस समझदारी के साथ माता-पिता बच्चों और एक-दूजे के साथ पेश आते हैं, बच्चे उसी के अनुसार खुद को विकसित करते हैं। अमेरिका के कैलिफोर्निया में अभिभावक और बच्चों के रिश्तों पर हुए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि आठ से चौदह साल के लगभग 53 प्रतिशत बच्चे अपने माता-पिता को एक दोस्त की तरह नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक की भूमिका में देखना चाहते थे। यानी बच्चों को अभिभावक क्या सिखाना चाहते हैं, इसका गहरा ताल्लुक इस बात से है कि वे स्वयं कैसे जीते हैं।

इसीलिए हर अभिभावक को यह खयाल रखना चाहिए कि जिस अनबन या व्यवहार को आम बात समझा जाता है, वह बच्चों पर बहुत गहरा असर करती है। इसीलिए अलग होने के हालात में भी सहज संवाद और मर्यादित व्यवहार बना रहे, तो बेहतर है। अच्छे-बुरे हालात में आपसी सरोकार और समझ का माहौल ताउम्र बच्चों के जीवन को दिशा देता है। असल में देखा जाए तो पति-पत्नी के अलगाव के मामले में कानूनी उलझनों के साथ भावनात्मक पक्ष भी जुड़ा होता है। खासकर बच्चों के संरक्षण और इस जिम्मेदारी के सही निर्वहन से जुड़ी बातें एक साथ तीन पीढ़ियों को प्रभावित करती हैं। रिश्तों की बदलती संरचना और आपसी जुड़ाव को लेकर बढ़ती जद्दोजहद का ही नतीजा है कि देश के हर वर्ग में पारिवारिक विवाद बढ़ रहे हैं। नतीजतन, बहुत से बच्चों का भविष्य भी अधर में लटक जाता है। कुछ समय पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने भी एक पारिवारिक विवाद में सुनाए अपने एक फैसले में कहा था कि ह्यइसमें कोई दो राय नहीं कि बच्चों का पालन-पोषण एक खुशहाल परिवार में हो, तो उनके भावनात्मक रूप से मजबूत होने और पढ़ाई में उनका प्रदर्शन बेहतर होने की संभावनाएं ज्यादा होती हैं ह्व गौरतलब है कि यह निर्णय लगभग बारह साल बाद एक-दूसरे अलग हो रहे दो बेटों के माता-पिता के मामले में सुनाया गया था।

उत्तर प्रदेश में सपा-रालोद गठबंधन टूटने से निकाय चुनाव में भाजपा को हो सकता है बड़ा लाभ

उत्तर प्रदेश में यह तय हो गया कि प्रदेश के विपक्षी दल एकला चलो की राह पर स्थानीय निकाय चुनाव में मैदान में उतर रहे हैं। इससे ऐसा लगता है कि इनके रवैये से भाजपा लाभ की स्थिति में रहेगी। सपाझ्ररालोद का गठबंधन टूट जाने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मिल रही भाजपा को चुनौती अब खत्म हो सकती है। भाजपा उत्तर प्रदेश में सबसे मजबूत पार्टी मानकर चुनाव लड़ रही है। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो बहन मायावती पहले ही कह चुकी हैं कि वह किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेंगी। पिछले विधानसभा चुनाव में दो बड़े दल समाजवादी पार्टी और रालोद का गठबंधन था। इस बार वह भी भंग हो गया। ये दोनों दल भी अब एकला चलो की यात्रा पर निकल लिए। पहले सूचनाएं थीं कि मुरादाबाद मंडल में सीटों के बंटवारे के कारण गठबंधन टूट गया। अब पता चला कि पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गठबंधन भंग हो गया है। रालोद के बड़े नेता मुंशीराम पाल ने मुरादाबाद मंडल में गठबंधन भंग होने की बात स्वीकारी थी। कहा था कि दो-तीन सीट पर बंटवारे का विवाद होने के कारण रालोद ने मंडल में सभी स्थानीय निकायों में अपने प्रत्याशी उतारने का निर्णय लिया है। अब बताया गया कि रालोद अकेले दम पर सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहित जाखड़ ने घोषणा की है कि आने वाले दो दिनों में अपने प्रत्याशियों की लिस्ट भी जारी करेगी। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर जो भेदभाव रालोद के साथ हुआ उसे हमने बर्दाश्त कर लिया। लेकिन निकाय चुनाव में वो भेदभाव दोहराया जा रहा है। उसे नहीं सहेंगे। रालोद दूसरे चरण के चुनाव में सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगा।

गठबंधन में दरार का कारण सपा द्वारा रालोद के हक वाली सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारना है। इसके बाद रालोद कार्यकर्ता भड़क गए। उन्होंने गठबंधन से स्पष्ट इंकार कर दिया है। गठबंधन में दरार सोमवार को उस वक्त शुरू हुई जब रालोद की सीटों पर सपा ने अपने प्रत्याशी उतार दिए। सोमवार को दूसरे चरण के चुनाव के लिए नामांकन का पहला दिन था। रालोद के सूत्रों के अनुसार मेरठ के मवाना और बागपत से खेकड़ा और बड़ौत तीनों सीटें गठबंधन में रालोद के हिस्से आई थीं। तय था कि जाट बाहुल्य क्षेत्र की इन तीनों सीटों पर रालोद प्रत्याशी अपने सिंबल पर चुनाव लड़ेंगे। लेकिन सोमवार को तीनों सीटों पर सपा ने अपने सिंबल पर अपने कैंडिडेट उतार दिए। सपा का यह रवैय्या देखकर रालोद नेता भी भड़क गए। रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहित जाखड़ का कहना है रालोद छोटी पार्टी नहीं है। रालोद का अपना कद है। पहले विधानसभा चुनाव और अब निकाय चुनाव में हमारे साथ धोखा हो रहा है। मेरठ की मेयर सीट रालोद मांग रही थी, इस पर सपा ने अपना प्रत्याशी उतार दिया। उन्होंने कहा कि यहां तक ठीक था लेकिन रालोद के लिए तय मवाना और बागपत की दो अन्य सीटों पर भी सपा ने अपने प्रत्याशी उतार दिए। हमने तय किया है अब गठबंधन से अलग चुनाव लड़ेंगे।

मेरठ की मवाना सीट पर अध्यक्ष पद के लिए रालोद ने दो दिन पहले ही अय्यूब मलिक को प्रत्याशी बनाया था। सोमवार को सपा के दीपक गिरी ने यहां से साइकिल चुनाव चिह्न पर नामांकन पत्र ले लिया। दीपक गिरी का कहना है कि उसे सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की तरफ से चुनाव लड़ने का आदेश मिला है। सिंबल भी मिला है। जबकि रालोद यहां पहले ही मुस्लिम चेहरे अय्यूब को टिकट दे चुका है। दीपक ने कहा कि उसे चुनाव लड़ने का आदेश मिला है, वह लड़ेगा। सपा में खेकड़ा से संगीता धामा, बड़ौत से रणधीर प्रधान ने भी सोमवार को नामांकन पत्र लिया है। दरअसल यह पहला मामला नहीं हैं। गठबंधन में शामिल दल समझौते का कहीं न कहीं पालन नहीं करते। परिणाम स्वरूप गठबंधन टूट जाता है। ऐसा ही इस मामले में हुआ। बिजनौर में तो सपा से टिकट न मिलने पर सपा नेता शमशाद अंसारी ने भी पत्नी सहित अचानक रालोद ज्वाइन कर रालोद के सिंबल पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। शमशाद अंसारी की पत्नी सपा की निवर्तमान चेयरपर्सन रुखसाना परवीन सपा के टिकट पर निकाय चुनाव की प्रत्याशी थीं। लेकिन नामांकन के अंतिम दिन अचानक रुखसाना परवीन का टिकट काटकर पूर्व विधायक रुचि वीरा की बेटी स्वाति वीरा को दे दिया। पार्टी के निर्णय से नाराज रुखसाना परवीन और पति शमशाद अंसारी ने सपा छोड़कर रालोद थाम ली। रालोद के सिंबल पर पर्चा भर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने प्रेसवार्ता बुलाकर घोषणा कर दी कि जिले में सपा की सभी सीटों पर सपा का विरोध करूँगा।

दरअसल गठबंधन के दल एक-एक सीट पर अपने-अपने प्रत्याशी उतार रहे हैं किंतु बिजनौर में तो सपा से टिकट कटने पर सपा नेता ने रालोद के टिकट पर अपनी पत्नी की नामजदगी करा दी। जबकि गठबंधन का धर्म यह कहता है कि सपा से टिकट कट चुके व्यक्ति को गठबंधन का दूसरा दल टिकट न दे। किंतु रालोद ने टिकट दे दिया। इससे अब तय हो गया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अब तक त्रिकोणीय मुकाबला था। अब रालोद के गठबंधन से अलग हो जाने के कारण मुकाबला चार कोणीय हो गया है। एक चीज और, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रालोद का प्रभाव है। रालोद-सपा मिलकर विधानसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी चुनौती दे चुके हैं। इस बार इसके अलग-अलग होकर चुनाव लड़ने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा की राह सरल हो गई लगती है।

अनुकरण और अस्तित्व

आज के अति उपभोक्तावादी और तीव्र प्रतिस्पर्धा के समय में जहां अमानवीय होकर आगे निकलने की होड़ ने मनुष्य की मूल प्रकृति और सहजता को भी मानो पराजित कर दिया है तो ठहर कर सोचने की बहुत जरूरत है। अस्तित्व का चुनाव व्यक्ति के लिए सबसे जरूरी और स्थायी उपलब्धि है, क्योंकि अपनी चेतना के स्तर को पहचान कर ही फिर सब कुछ जाना जा सकता है।

जब हम व्यर्थ का कुछ जाने देते हैं, तभी कुछ सार्थक प्राप्त कर सकते हैं, उससे पहले नहीं। अगर इस पर गौर नहीं किया जाता है तो निरर्थक दबाव इतना घेर लेते हैं कि सच और मूल्यवान को आने का रास्ता ही नहीं मिल पाता है। उसके आने के लिए पहले जीवन में व्यर्थ का भरा हुआ सब खाली करना पड़ेगा, क्योंकि समूह में रहते हुए अपने बारे में पूरी तरह जानना बहुत चुनौतीपूर्ण और कठिन है और उसके बाद बहुत कुछ खोने का भय भी है। लेकिन यह पहचान और जानना जरूरी है। तभी वह अपने परिवेश और समाज से कोई तार्किक सबंध बना सकता है, न कि सिर्फ उसका संवेदनशून्य और विचारहीन औपचारिक हिस्सा बनकर रह सकता है। अपनी निजता में जीकर संघर्ष करते हुए किसी लक्ष्य को प्राप्त करना लाख गुना बेहतर है सफलता के लिए दूसरों के साथ समझौते पर खड़ी जिंदगी से। इस जीवन की ही कोई सार्थकता है, जिसमें किसी असाधारण व्यक्ति का अस्तित्व किसी भी साधारण प्रलोभनों से प्रभावित नहीं होता। न ही वह किसी पद-प्रतिष्ठा के लिए भीड़ की मानसिकता का अनुकरण करता है, क्योंकि कोई भी सीमित स्वार्थ उसके अस्तित्व की विशाल संभावनाओं और अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता।

इसलिए उसकी स्वतंत्र चेतना के अनुसार ही जीवन के निर्णय भीतर से आने चाहिए, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। इस मुक्त जीवन शैली में दुनिया और समाज की व्यवस्था के मापदंड पर बहुत कुछ खोकर भी अपने को पाने की संतुष्टि है और जीवन को उसकी परिपूर्णता में जिया जा सकता है। बाहरी सफलताओं की संख्या से जीना उसकी सार्थकता को खो देना है और दूसरों के अनुकरण में ही सफलता को खोजना अपने अस्तित्व के अर्थ से चूक जाना है। अपने स्वभाव के अनुसार और जीवन के सभी अनुभव, संघर्ष और उत्थान-पतन के साथ विकसित होते हुए ही कोई नई दृष्टि व्यक्ति को नए विकल्प दिखा सकती है, किसी के अनुकरण से नहीं। अपनी प्रकृति और परिस्थितियों से सीख कर जीना अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान लेना है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की चेतना का स्तर अलग है, सोच अलग है, एक दूसरे से भिन्न है।

ऐसे ही सबके अस्तित्व की मौलिकता का अपना वैशिष्ट्य भी जैसे प्रत्येक फूल अपना-अपना रंग और खुशबू ही उसके सौंदर्य का कारण है। इसलिए अपने उस आंतरिक सौंदर्य को पहचानना भी जरूरी है, जो बहुत-सी बाहरी सतहों के नीचे छिपा है। दरअसल, बाहरी अनुकरण कुरूप होता है, सिर्फ भीड़ का निरर्थक हिस्सा। इस वास्तविकता को समझ जाना ही क्रांति है, जब तक वह जीवन में न आ जाए। इस एक ही सच को अनेक रूपों में कहा जा सकता है, लेकिन मूल पाठ और उसका स्वर एक ही है कि अपने को पहचान कर ही बाकी सबको जाना जा सकता है। आत्मविश्लेषण से जब उस पूरी व्यवस्था को समझने लगते हैं, जहां से ये सभी आरोपित चीजें आ रही हैं तो बौद्धिकता की एक अंतधार्रा बहने लगती है। तब लगता है कि भीड़ और बाजार की मानसिकता व्यक्ति की आंतरिक रिक्तता को नहीं भर सकती। मनुष्यता की नियति उन सभी दबावों और बंधन से मुक्त होकर अपने अस्तित्व की स्वाधीनता को पाना है जो उसके लिए सामाजिक संरचना ने निर्धारित किए हैं और यही सबसे पहले व्यक्ति का चुनाव होना चाहिए। संकुचित जीवन जीना अपने आप में एक अपराध है, इसलिए इस विशाल दृष्टि के लिए बहुत से संकीर्ण रास्तों को छोड़ना जरूरी है। हालांकि कई बार सीमाओं से समझौता करना असंभव हो जाता है। किसी भी तरह की मानसिक निर्भरता को अस्वीकार करके सिर्फ अस्तित्व की मुक्ति को केंद्र में रखना ही अपनी कोई सार्थकता साबित कर सकता है। जो दूसरों के अनुकरण से प्राप्त सफलता है, वह बहुत सतही है और अधिकतर अपनी व्यर्थता में कृत्रिम और भयावह भी। अपनी संभावनाओं को खोजने के लिए अपने अंदर के निर्णय के स्वर को सुनना और जीवन में उसकी भूमिका को निर्धारित करना बहुत मूल्यवान है। अपने से ऊंचा कुछ करने के लिए अपने ही विरुद्ध जाना पड़ सकता है, संघर्ष और चुनौतियों से जूझ कर और सुविधापरक रास्तों को भूल कर किसी अदृश्य विकल्प को भी स्वीकार करने के लिए तैयार रहना जरूरी है। जब जीवन में उस बिंदु पर पहुंचते हैं जहां किसी को प्रभावित करने का स्वार्थ नहीं रहता, वहीं से अस्तित्व की स्वतंत्रता आरंभ होती है।

आईआरएस का छिड़काव करायें, कालाजार को दूर भगायें

छड़काव का कार्य रेवती, पंदह और बांसडीह ब्लॉक में सम्पन्न, घर के आस-पास रखें साफ-सफाई, करें मच्छरदानी का प्रयोग

बलिया। जनपद में कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संक्रामक रोग कालाजार को दूर भगाने के लिए कालाजार रोधी सिंथेटिक पायराथ्राईड का छिडकाव 15 मार्च से किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण इलाके के मिट्टी के घरों में पनपने वाली सफेद मक्खी जिसे बालू मक्खी के नाम से भी जाना जाता हैं, को खत्म किया जा सके। यह कहना है जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव का।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जनपद में पिछले 3 वर्षों में कालाजार से 10 ब्लॉक के 34 ग्राम प्रभावित है जिसमे 16 ग्राम में आई आर एस का कार्य संपादित हो चुका है।

कालाजार प्रभावित ब्लॉक है:- हनुमानगंज, मुरलीछपरा, कोटवा, रेवती, दुबहड़, चिलकहर, मनियर, बांसडीह, सोहाव,और पंदह है। वर्त्तमान मे छिडकाव का कार्य पंदह, रेवती और बांसडीह ब्लॉक में सम्पन्न हो चुका है। शेष ब्लॉक और ग्राम में आई आर एस चल रहा है। जनवरी 2023 से आज तक कालाजार का कोई भी मरीज नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि कालाजार एक जानलेवा रोग है जो कि बालू मक्खी के काटने से फैलता है और अक्सर यह बालू मक्खी ग्रामीण क्षेत्रों में मकान की दरारों में, नमी वाले स्थानों में, चूहों के बिलों में पायी जाती है। इससे बचाव के लिए घर के आसपास साफ-सफाई का ध्यान रखकर एवं मच्छरदानी का प्रयोग कर इस रोग से बचा जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति को 15 दिन से अधिक बुखार आना, भूख नहीं लगना, रोगी में खून की कमी, लोगों का वजन घटना, रोगी की त्वचा का रंग काला होना आदि कालाजार के लक्षण हो सकते हैं। वहीं इसका सबसे मुख्य लक्षण त्वचा पर धब्बा बनना है यदि किसी व्यक्ति में उपयुक्त लक्षण पाया गया हो तो तत्काल अपने नजदीक के सामु०स्वा०केन्द्र/प्रा०स्वा० केन्द्र पर जांच कराएं। जिला चिकित्सालय पर इसका इलाज उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि यह बीमारी एक बार ठीक होने पर दोबारा से शुरू हो सकती है इसलिए चिकित्सक की सलाह पर पूरा इलाज करवाएं।

राष्ट्रीय सचिव अखिल भारतीय व्यापारी संघ सुनील सर्राफ ने निर्दल चुनाव लड़ने का किया ऐलान

बलिया। जनपद नगर पालिका परिषद से राष्ट्रीय सचिव अखिल भारतीय व्यापारी संघ सुनील सर्राफ ने नगर पालिका बलिया से निर्दल चुनाव लडने का किया घोषणा बता दे की सपा से नगर पालिका परिषद बलिया के अध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी की घोषणा होते ही सपा से टिकट नहीं मिलने पर सुनील सर्राफ ने निर्दल उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरने का फैसला किया । हालांकि नगरपालिका परिषद बलिया के अध्यक्ष पद के लिए सुनील सर्राफ ने भी टिकट के लिए आवेदन किया था । सुनील सर्राफ ने समर्थकों के समर्थन से निर्दल उम्मीदवार के तौर पर नगर निकाय चुनाव लड़ने का निर्णय लिया साथ ही कहा की पूर्व चेयरमैनो के द्वारा नगर के लोगो को केवल ठगने का काम किया गया है अगर जनता ने हमारे ऊपर विश्वास जताया और नगर पालिका अध्यक्ष पद पर बैठाया तो हम नगर पालिका में विकास की गंगा बहाएंगे और लोगो के लिए एक पार्क , उच्चतम गुणवत्ता की नाली और पटरी दुकानदारों के लिए सुरक्षित व्यवस्था की जाएगी।

शांति समिति की हुई बैठक

बलिया। शहर के पुलिस चौकी ओकडेन्गंज पर शांति समिति की बैठक की गई जिसमें नगर मजिस्ट्रेट डॉक्टर सुरेश कुमार ने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखने की आए हुए लोगों से अपील की जिसमें भाईचारे एकता बनाए रखें तभी सब कुशल कोई भी त्यौहार संपन्न होगा क्षेत्राधिकारी सदर अशोक कुमार मिश्रा ने भी अपनी बातें रखी उन्होंने कहा त्योहार को सादगी और मोहब्बत के साथ मनाएं धारा 144 पहले से लगा हुआ है इसका भी आप लोग ध्यान रखेंगे बाकी पुलिस व्यवस्था 24 घंटा पुलिस आपको उपलब्ध रहेगी इस बैठक में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली राजीव कुमार सिंह आए हुए सभी लोगों का शुक्रिया किया साथी ही जो हर वर्ष की भांति होता रहा है वही होगा कोई नया नियम आप लोग नहीं निकालेंगे चंद्रशेखर नगर चौकी प्रभारी ओकडेन्गंज के चौकी प्रभारी भी उपस्थित रहे साथ ही आए हुए शांति समिति के सदस्य जिसमें वरिष्ट समाज सेवी हाजी अफसर आलम वरिष्ट समाज सेवी भोला खाँ वरिष्ट पत्रकार असगर अली शकील अहमद सभासद प्रतिनिधी रोशन जयसवाल बिजली विभाग से आशुतोष कुमार पान्डे एके गुप्ता अफसर भाई ग्राम सभा बहेरी के मकसुद खां ने भी अपनी बातो को रखा।

अवैध कच्ची शराब, निर्माण सामग्री, उपकरण संग दो अभियुक्त गिरफ्तार

ओबरा (सोनभद्र)। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत ओबरा पुलिस ने मंगलवार को अवैध शराब बनाने व बेचने के आरोपी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालयी पेशी में भेज दिया। अभियुक्तों के पास से एक कुंतल से अधिक लहन, शराब बनाने की भट्ठी व संसाधनों समेत 30 लीटर अवैध कच्ची शराब पुलिस ने बरामद किया। गिरफ्तार अभियुक्तों राजकुमार (25) पुत्र स्व.बलिराम निवासी खैरटिया ओबरा थाना छोटे लाल चेरो (26) पुत्र कल्लू, अन्त चोपन निवासी को आबकारी अधिनियम में आबकारी अधिनियम में निरुद्ध किया गया। गिरफ्तारी टीम अगुवाई चौकी प्रभारी अमित कुमार त्रिपाठी ने किया था।

जय माँ वैष्णो क्रशर स्टोन का हुआ भव्य उद्घाटन

अहरौरा, मिजार्पुर। क्षेत्र के बाराडीह (भण्डारी देवी मंदिर पहाड़ के पास) जय माँ वैष्णो क्रशर स्टोन का फीता काटकर हुआ भव्य उद्घाटन। प्रो. सत्येंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हमारे यहां सभी प्रकार के गिट्टी, चौका पटिया भक्सी जैसे स्टोन से सम्बंधित तमाम प्रकार के सामान उपलब्ध क्रशर स्टोन उद्घाटन समारोह में पहूंचे, हरिनारायण सिंह प्रदेश मंत्री विश्व हिंदू महासंघ) और महेंद्र नाथ सिंह (दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार), हजारी प्रसाद सिंह, रणविजय सिंह (व्यापारी लखनऊ), छत्रबलि सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष चंदौली, नागेश सिंह एडवोकेट (प्रबधंक- स्वर्गीय डॉ. श्रीकुबेर सिंह पी. जी. कालेज व वरिष्ठ समाजसेवी), ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह (धीरज सिंह), जितेंद्र कुमार में साथ दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

किसान नेता सिद्धनाथ सिंह ने सभापति उपसभापति समेत सदस्यों को किया सम्मानित

अहरौरा, मिजार्पुर। क्षेत्रीय सहकारी समिति लि. सोनपुर के नव निर्वाचित सभापति व उपसभापति का भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह द्वारा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माल्यार्पण व अंगवस्त्र देकर भव्य स्वागत किया गया। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने सोनपुर के क्षेत्रीय सहकारी समिति लि. के सभापति माया देवी व उपसभापति सदानन्द सिंह, संचालक सुधाकर सिंह, विनोद कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, ओमप्रकाश, रामबाबु को अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर भव्य स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्रीय सहकारी समिति लि. सोनपुर में अब अच्छे से खाद्य व गेंहू, धान की खरीद ईमानदारी पूर्वक क्रय किया जाएगा। जिससे किसानों के हित मे बहुत होगा। इस स्वागत समारोह कार्यक्रम के संचालन भाकियू प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय सहकारी समिति सोनपुर के सचिव समरजीत सिंह, आंकिक बाले जी, भारतीय किसान यूनियन के युवा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष स्वामी दयाल सिंह, जिला सचिव रामश्रृंगार सिंह, कुँवर आनन्द सिंह (ग्राम प्रधान अतरौली बभनी), भवन सिंह, पूर्व अध्यक्ष, चौधरी जयपाल सिंह (जिला पंचायत सदस्य), प्रदीप सिंह, अवधेश सिंह, गुरुशंकर सिंह के साथ दर्जनों भाकियू के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अज्ञात का मिला शव

प्रखर वाराणसी। मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के हसनपुर इलाके में बुधवार की सुबह एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार हसनपुर इलाके के गली में एक शव मिलने की सूचना क्षेत्रीय लोगो ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण हेतु भेज दिया। मृतक के शरीर पर गहरे नीले रंग का लोवर और स्याही रंग का शर्ट पहने हुए था। पुलिस शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए बैठक

बलिया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शानुसार एवं प्रभारी जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलिया श्री दिनेश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आज दिनांक 18/04/2023 को समय 04:00 बजे, समस्त सम्मानित पीठासीन अधिकारीगण की प्री-ट्रायल बैठक, आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13.05.2023 को व्यापक रूप से सफल बनाने के उद्देश्य से की गयी। जिसका संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया के अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, नरेन्द्र पाल राणा के द्वारा किया गया।

उक्त बैठक में दिनांक 13/05/2023 को आयोजित आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु विचार विमर्श किया गया। श्री दिनेश कुमार मिश्रा प्रभारी जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलिया द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त पीठासीन अधिकारीगण को निर्देशित किया गया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांकित 13.05.2023 को, अपने न्यायालय में लम्बित मामलों का अधिक से अधिक संख्या में निस्तारण करें, तथा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण हेतु चिन्हांकित किये गये वादों की सूची यथासम्भव शीघ्र कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया को प्रेषित करें।

उक्त बैठक में श्री हुसैन अहमद अंसारी अपर जनपद न्यायाधीश कोर्ट सं0-3/नोडल अधिकारी लोक अदालत बलिया, श्रीमती मनीषा विशेष न्यायाधीश (एस0सी0/एस0टी0 एक्ट), श्री महेश चन्द वर्मा, विशेष न्यायाधीश (ई0सी0 एक्ट) अपर जनपद न्यायाधीश, श्री गोविन्द मोहन अपर जनपद न्यायाधीश कोर्ट सं0-8 (पोक्सो एक्ट) , श्री ओमकार शुक्ला विशेष न्यायाधीश (गैगेस्टर एक्ट)/अपर जनपद न्यायाधीश कोर्ट सं0-5, श्री ओम प्रकाश अपर जनपद न्यायाधीश कोर्ट सं0 7 (एन0डी0पी0एस0 एक्ट), श्री अरूण कुमार-तृतीय अपर जनपद न्यायाधीश कोर्ट सं0-4, श्री विनोद कुमार अपर जनपद न्यायाधीश कोर्ट सं0-10 (पोक्सो एक्ट), श्री नरेन्द्र पाल राणा अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री हरिश चन्द्र अपर जनपद न्यायाधीश/एफ.टी.सी. द्वितीय, श्री सुरेन्द्र प्रसाद अपर जनपद न्यायाधीश/एफ.टी.सी. तृतीय, सुश्री शाम्भवी यादव मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री सर्वेश कुमार मिश्र सिविल जज सी0डि0 बलिया, श्रीमती कविता कुमारी सिविल जज (जू0डि0) पूर्वी, श्री विराट मणि त्रिपाठी न्यायिक मजिस्ट्रेट,-प्रथम, श्री राजीव रंजन मिश्रा न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय, श्री धम्म कुमार सिद्धार्थ अपर सिविल जज (जू0डि0) रसडा, श्री प्रवीण कुमार प्रियदर्शी अपर सिविल जज (जू0डि0), श्री धर्मेन्द्र कुमार भारती सिविल जज (जू0डि0)/एफ.टी.सी., एवं श्री अनिल कुमार मिश्रा विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट बलिया उपस्थित रहे।

चंद्रशेखर जी को देश से था अटूट प्यार : यशवन्त

आजमगढ़। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की 97 वीं जयंती मनाई गई। युवा तुर्क नेता राष्ट्र पुरुष चंद्रशेखर जी देश के इकलौते ऐसे नेता थे। जिन्होंने प्रधानमंत्री की कुर्सी पर आसीन होने के बाद बहुत कम समय में देश की तमाम समस्याओं का निराकरण कराया और समय आने पर उन्होंने अपने जीवन काल में यह साबित किया। कि उन्हें कुर्सी से नहीं बल्कि देश से अटूट प्यार है देश की अस्मिता के नाम पर उन्होंने जीवन में कभी झुककर समझौता करने का कार्य नहीं किया। उनकी जयंती पर उनके बताए पद चिन्हों पर चलने का संकल्प ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी उक्त बातें पूर्व मंत्री और विधान परिषद सदस्य यशवंत सिंह ने सोमवार को श्री चंद्रशेखर स्मारक ट्रस्ट पर पूर्व पीएम की97वीं जयंती पर आयोजित समारोह में अपने संबोधन में कहा उन्होंने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी भी श्री चंद शेखर जी की तरह देश से अटूट प्यार रखते हैं। और देश की सुरक्षा एवं अखंडता के नाम पर किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं करते हैं श्री सिंह ने कहा कि देश में जब आपातकालीन हुकूमत लागू हुई थी। और तानाशाही के खिलाफ कोई बोलने का साहस नहीं कर पा रहा था उस समय श्री चंद्रशेखर जी ने अकेले दम पर बगावत का बिगुल बजा कर तानाशाही हुकूमत के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़े हुए थे।और सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा था। श्री सिंह ने कहा कि चंद्रशेझर जी हमेशा कहा करते थे कि संसद और सुप्रीम कोर्ट में थोड़ा फर्क होना चाहिए एक साधारण परिवार से निकलकर देश के शीर्ष आसन पर बैठकर उन्होंने साबित किया था कि यदि सच्ची लगन और समर्पण के साथ कार्य किया जाए तो व्यक्ति के जीवन में कुछ भी असंभव नहीं होता है कार्यक्रम के प्रारंभ में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष लालबहादुर सिंह लालूने चंद्रशेखर जी की मूर्ति पर बड़ी माला पहनाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और यशवन्त सिंह ने स्वंय जब तक सूरज चांद रहेगा तब तक तेरा नाम रहेगा का नारा लगाकर नौजवानों में जोश भरा ट्रस्ट समिति के प्रबंधक बृजेश कान्दू सठियांव प्रमुख प्रतिनिधि अरविंद सिंह जहांनागंज प्रमुख रमेश कन्नौजियाकोयलसा प्रमुख संतोष यादव पल्हना प्रमुख सोनू सिंह अजमतगढ़ प्रमुख मनीष मिश्र बिलरियागंज प्रमुख रमेश यादव मोहम्दाबाद प्रमुख रानू सिंह अरविंद जायसवाल अजय सिंह नंदलाल चौहान श्री राम सिंह अशोक पांडेय बल्लू सिंह रामअवतार जायसवाल धर्मेंद्र सिंह उर्फ झबलु उदय शंकर चौरसिया रानीपुर के पूर्व प्रमुख अरुण सिंह दोहरीघाट प्रमुख राजू राय सांसद सगीता आजाद विद्यायक अरिमर्दन आजाद भाजपा जिलाध्यक्ष ध्रुव सिंह राकेश सिंह उर्फ पप्पू रामजन्म सिंह सतीश सिंह चंचल चौबे अतुल चौबे स्वतंत्र सिंह मुन्ना विजय बहादुर सिंह विजय कुमार सिंह भक्कू सहित अन्य कार्यकर्ताओ ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किया समारोह की अध्यक्षता ट्रस्ट प्रबन्धक बृजेश कान्दू व संचालन शिक्षक नेता कमलेश राय ने किया।

गऊ भारत भारती का आठवां सर्वोत्तम सम्मान समारोह संपन्न

प्रखर डेस्क मुंबई। भारत का प्रथम गऊ वंश पर आधारित समाचारपत्र " गऊ भारत भारती " का आठवां सर्वोत्तम सम्मान समारोह १८ अप्रैल को गोरेगांव के ट्रेन्टो हॉल में संपन्न हुआ। इस वर्ष यह सम्मान गौसेवा के लिए , लेखिका सिल्विया फर्नांडीस ,स जेजे अस्पताल के डॉ मधुकर गायकवाड़ , गरीबो को घर देने के लिए विरल रमेश पटेल , पत्रकारिता में पवन पाठक, विधि छेत्र में असहाय लोगो को न्याय दिलाने में वकील पंकज मिश्रा को दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश के मनोनीत राज्य मंत्री तरुण राठी , शिवसेना शिंदे गुट के उत्तर प्रदेश के प्रभारी विक्रम प्रताप सिंह , कामगार नेता व समूह संपादक अभिजीत राणे , प्रोफेसर दीपक जुमानी , डक्टर मधुकर गायकवाड़ , खादी ग्रामोउद्योग के पूर्व उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी वाय. के बारामतिकर , डा. विनोद कोठारी , व अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्तिथि में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक संपादक संजय अमान ने दीप प्रज्वलन के बाद सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। आयोजन समिति के विशाल भगत ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन दिया और कार्यक्रम के समापन को घोषणा की। कार्यक्रम का सफल संचालन करिश्मा राव ने किया।

संक्षिप्त खबरें

विश्व वैदिक सनातन संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पर प्राणघातक हमला

प्रखर डेस्क। सनातन की बात करने वाला विश्व वैदिक सनातन संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र सिंह 'बिसेन' पर प्राणघातक हमला 18 अप्रैल की रात 9 बजे दो संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा निडिल सिरिंज घुसा कर किया गया। बता दें कि उनका इलाज दिल्ली के आर एम एल हॉस्पिटल में चल रहा है। नीडिल सिरिंज के द्वारा हमले के जरिए कैसा हमला है, इस पर पुलिस गहनता से जांच कर रही है। उक्त मामले में विश्व वैदिक सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि ऐसे प्राणघातक हमले की विश्व वैदिक सनातन संघ घोर निंदा करता है और सरकार से उच्चस्तरीय जांच की मांग करता है। साथ ही सरकार उनकी सुरक्षा का मजबूत इंतजाम भी करें। आगे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संघ के पदाधिकारियों व कार्यकताओं की सुरक्षा हेतु सरकार से आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई है और चेतावनी देते हुए कहा गया है कि सनातन हिंदू समाज की धार्मिक आस्था के केंद्रों की आजादी हेतु समस्त भारतवर्ष में संवैधानिक तरीके से लड़ रहे संघ के सदस्यों पर यदि हमला होता है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे और हम सनातनी हिंदू चुप नहीं बैठेंगे।

ज्ञानवापी परिसर में वुजू एवं टॉयलेट व्यवस्था की मांग पूरी तरह निराधार- विश्व वैदिक सनातन संघ

प्रखर वाराणसी। हाई कोर्ट के निर्देश पर जिलाधिकारी द्वारा बैठक कर ज्ञानवापी परिसर में वुजू एवं टॉयलेट की व्यवस्था को लेकर विश्व वैदिक सनातन संघ ने कड़ा विरोध व्यक्त किया है। बता दें कि विश्व वैदिक सनातन संघ का कहना है कि अभी मामला विचाराधीन है, ऐसे में किसी तरह का नवनिर्माण या बदलाव अनुचित और न्याय विरोधी होगा। ऐसे में यदि कोई आवश्यकता लगती है तो रिमोट टॉयलेट, मोबाइल टॉयलेट या फिर फाइबर वाटर टैंक जैसी अस्थाई व्यवस्था मंदिर परिसर से बाहर 500 मीटर की दूरी पर कराई जा सकती है। जिससे वादी पक्ष और उसकी आस्था को नुकसान ना पहुंचे और व वुजू एवं अन्य संबंधित क्रियाकलाप मंदिर परिसर में ना कर-के मंदिर की प्रतिष्ठा का सम्मान हो सके। आगे विश्व वैदिक सनातन संघ ने कहा कि विवादित परिसर में किसी भी प्रकार के निर्माण का सख्त विरोध विश्व वैदिक सनातन संघ करता है। ऐसे में प्रशासन का कोई भी अनुचित कदम सनातनी हिंदू जनमानस को उद्वेलित कर सकता है।

भीषण गर्मी के चलते कक्षा 1 से 8 तक के बच्चो को अवकाश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के आदेशानुसार गाजीपुर में भीषण गर्मी और लू को देखते हुए परिषदीय एवं सहायता प्राप्त एवं सभी स्कूलों में 21 अप्रैल तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने इसके लिए आदेश जारी कर दिया है। भीषण लू और बढ़ती गर्मी के प्रकोप से आम लोगों का जीना दुश्वार हो गया है ऐसे में स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने अवकाश आदेश जारी किया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमंत राव द्वारा निर्गत किए गए आदेश में लिखा गया है कि जिलाधिकारी के आदेश पर सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया जाता है। सभी स्कूल 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक बंद रहेंगे। वही शिक्षक गैर शैक्षणिक कर्मी नियमित रूप से विद्यालयों में उपस्थित रहकर प्रशासनिक एवं अन्य कार्यों का संपादन करेंगे। उन्होंने इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन कराने का निर्देश भी दिया है।

पुलिस प्रशासन ने की पुरस्कार घोषित अपराधियों की सूची जारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार जिला प्रशासन द्वारा माफियाओं तथा अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस प्रशासन द्वारा 19 अप्रैल 23 तक के शेष पुरस्कार घोषित अपराधियों की सूची जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा पुरस्कार घोषित अपराधी क्रमशः सोनू मूसहर पुत्र मुखराम मनिया, थाना गहमर घोषित राशि 25 हजार, सद्दाम हुसैन पुत्र हबीरउल्लाह चक फरीद, थाना बहरियाबाद घोषित राशि 25 हजार, वीरेंद्र दुबे उर्फ भुट्टन पुत्र शिव प्रकाश दुबे अलीपुर बनगावा, थाना नंदगज घोषित राशि 25 हजार, अंकित राय उर्फ प्रदीप पुत्र किशन देव राय इमलिया, थाना नंदगंज घोषित राशि 25 हजार, अंकुर यादव पुत्र उमाशंकर यादव नसरतपुर थाना बिरनो, घोषित राशि 25 हजार, अशोक यादव उर्फ छोटू पुत्र लालधर यादव त्योखर, थाना सिधारी आजमगढ़, अमित राय पुत्र राम प्रवेश राय जोगा मुसाहिब, थाना करीमुद्दीनपुर घोषित राशि 25 हजार, अंगद राय उर्फ लल्लन राय पुत्र स्व0 सर्वदेव राय शेरपुर खुर्द, थाना भावरकोल, रवि बिंद पुत्र सिंहासन बिंद चकिया, थाना सुहवल घोषित राशि 25 हजार, सोनू बिंद पुत्र नंदू बिंद सकरा, थाना कोतवाली गाजीपुर घोषित राशि 25 हजार। इसके अतिरिक्त अपर पुलिस महा निरीक्षक वाराणसी जोन द्वारा घोषित इनाम राशि के अपराधियों के नाम क्रमशः जाकिर हुसैन पुत्र शफात खान सैयदवाड़ा थाना कोतवाली गाजीपुर घोषित राशि 50 हजार, आफ्सा अंसारी पत्नी मुख्तार अंसारी यूसुफपुर थाना मोहम्मदाबाद 50 हजार।

महिला की पिटाई पर पट्टीदारों पर मुकदमा दर्ज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के सरायशेखलार्ड में जमीनी विवाद में एक महिला को पट्टीदारों ने लात घुसो से मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस को दिए तहरीर में उक्त गांव निवासी सुनीता देवी ने आरोप लगाया कि बीती रात जमीन के बंटवारे की बात अपने पट्टीदार प्रदीप राजभर से कर रही थी तभी उनके लड़के और अन्य परिजन गाली गलौज देते हुए लात घुसो से पिटाई कर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्रदीप, राजेश,सोनू, राहुल व शंकर के खिलाफ 147, 323, 504,506, 336 के तहत मुकदमा दर्ज किया।

अग्निशमन सेवा सप्ताह अंतर्गत बचाव व सुरक्षा की दी गई जानकारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस महानिदेशक अग्निशमन तथा आपात सेवा मुख्यालय लखनऊ महोदय के आदेश के अनुसार पुलिस अधीक्षक गाजीपुर व मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजीपुर के आदेशानुसार 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाये जा रहे अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान जनपद स्थित महत्वपूर्ण भवनों का निरीक्षण, अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल अग्नि से बचाव एवं सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई तथा अग्नि से बचाव संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए जिसका विवरण क्रमशः दादी माँ बेकर्स, डी0ए0वी0 स्कूल झंडातर, जिला अस्पताल, गोराबाजार, राधेश्याम ट्रेडर्स, कैथवलिया, जानकी इण्टर कालेज रूहीपुर, एम्बुलेंस 108/102 वर्कशॉप, रजदेपुर देहाती, तथा श्री शिवपूजन इण्टर कालेज, मलसा, गाजीपुर ।

कड़ी धूप में मुंहासों से बचाव के होम्योपैथिक टिप्स

गर्मी का मौसम है। हम धूप को याद नहीं करना चाहते। यूवी किरणों का संपर्क गर्मियों के दौरान सबसे अधिक चिंता का विषय बन जाता है क्योंकि इससे त्वचा की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। भारत में सामान्य आबादी में त्वचा रोगों की घटनाएं विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में 7.9: -60: से भिन्न होती हैं। गर्मियों के दौरान चिलचिलाती और आर्द मौसम से प्रभावित शीर्ष भारतीय शहर है। जैसे-जैसे शहर में तापमान बढ़ता है, धूप, गर्मी और वायु प्रदूषण के कारण विभिन्न त्वचा रोगों का खतरा भी बढ़ जाता है। सबसे आम त्वचा की समस्याओं में सनबर्न, कांटेदार गर्मी, सौर पित्ती, मेलास्मा, झुर्रियां, और सूखी त्वचा है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, ब्रेकआउट से पीड़ित अधिकांश वयस्क 26 और 30 वर्ष के आसपास थे, जिनमें स्पष्ट महिला प्रधानता थी। 44.5% रोगियों में चक्रीय उतार-चढ़ाव देखा गया, जिनमें से अधिकांश ने गर्मियों के दौरान वृद्धि का अनुभव किया।

गर्मी भी मुंहासे निकलने के लिए जिम्मेदार होती है। इस समय के दौरान, त्वचा पर धूल, तेल, गर्मी और नमी के रूप में संक्रमण होने का सबसे अधिक खतरा होता है, जो चेहरे पर चिपक सकता है, जिससे मुंहासे हो सकते हैं। इस प्रकार, अपनी त्वचा को कठोर धूप से बचाने के लिए, न्यूनतम एसपीएफ 30 या उससे अधिक का ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन लगाना महत्वपूर्ण है। टोपी और लंबी आस्तीन जैसे सुरक्षात्मक कपड़े पहनना और पीक आवर्स के दौरान धूप से सख्ती से बचना भी आवश्यक है। यहां पांच होम्योपैथिक उपचार हैं, जो प्रभावी हो सकते हैं। होम्योपैथी चिकित्सा की समग्र प्रणाली है, जो केवल लक्षणों के बजाय स्वास्थ्य समस्या के मूल कारण का इलाज करने पर केंद्रित है।

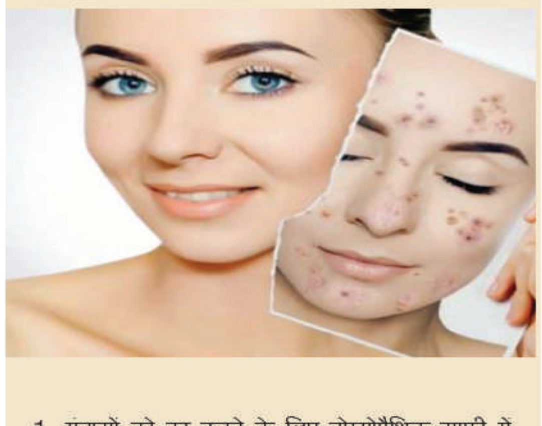

1. मुंहासों को दूर करने के लिए होम्योपैथिक साफ्ती में इचिनेशिया का उपयोग किया जा सकता है।
2. मुहासे के निशान को कम करने के लिए बर्बेरिस एक्विफोलियम का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाता है।
3. स्थान के अनुसार, मुंहासे चेहरे पर हो तो सिलिकिया दिया जा सकता है, पीठ पर हो तो कैल्केरिया सल्फर दिया जा सकता है।
4. कारण के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को कॉस्मेटिक का रिएक्सन होता है तो बोविस्टा सबसे अच्छी दवा है और यदि यह रूसी के कारण होता है तो सल्फर दिया जा सकता है।
5. चरणों के अनुसार, यदि यौवनारम्भ के कारण मुंहासा फूटता है तो रोगी को पल्सेटिला दिया जा सकता है, और यदि रजोनिवृति के कारण मुंहासा फूट पड़ता है तो लैकेसिस सर्वोत्तम औषधि है।

कुछ सामान्य टिप्स

- चेहरे को दिन में कम से कम 2-3 बार साबुन मुक्त फेस वॉश से धोएं, जिसमें इचिनेशिया हो।
- हाइड्रेटेड रहें, कम से कम 8 गिलास पानी पिएं।
- मुंहासे को फोड़े नहीं, इससे घाव हो सकता है।
- मेकअप से बचें, मेकअप बंद रोमछिद्रों के कारण मुंहासों का कारण बन सकता है।
- यूवी किरणों से बचाने के लिए एसपीएफ 30-50 वाले वॉटर बेस्ड सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

■ डॉ. अक्षय बत्रा

तलवार की धार पर बच्चे

खरी खरी

■ मनीषा

आम भारतीय मध्यवर्गीय माताएं अपने बच्चों के करियर को लेकर बहुत परेशान हैं। उन्हें बेहतरीन प्राइवेट स्कूलों में एडमीशन दिलाने से लेकर, ट्यूशन और अन्य गतिविधियों को लेकर उनमें चिन्ता बनी रहती है। जो माताएं कामकाजी हैं। उन्हें दफ्तरों, फैक्ट्रियों, स्कूलों में चिन्ता करते देखा जा सकता है। जो घरों तक सीमित हैं, वे शाम को पार्कों में, सब्जी वाले के ठेले के करीब, किटी पार्टियों में या स्कूल बस से बच्चों को उतारते हुए बस यही बतियाती हैं। बच्चों के टाइट शेड्यूल को लेकर वे झिकझिक करती रहती हैं। उन्हें अच्छे ग्रेड लाने के लिए सारा दिन स्कूली किताबों में मगजमारी करते देखना चाहती हैं। बच्चा क्या चाहता है, इससे बेफिक्र पालक बस अपनी झोंकते रहते हैं। अपने इर्दगिर्द मैं ऐसे ढेरों मां-बाप को देखती हूं। जो सारा दिन बच्चे से उसका बचपन छीनते फिरते हैं। वे बच्चों को ढंग से खेलने नहीं देते। हमउम्रों से चुहल नहीं करने देते। यूं भी परिवार में बच्चे अकेले हैं या ज्यादा से ज्यादा दो हैं। जिनको सुविधाएं देने को आतुर मांएं हमेशा एलर्ट मोड में नजर आना चाहती हैं। बावजूद इसके लगातार बच्चों के आत्महत्याओं के मामले बढ रहे हैं। हैरत है, इस पर कहीं कोई बात ही नहीं कर रहा। यह अपने आप में खौफनाक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2020 में सवा ग्यारह हजार बच्चों ने खुदकुशी की। उसके पहले 2019 में साढे नौ हजार। नैशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार साल में हर दिन तकरीबन 31 बच्चों ने खुद को मार डाला। ये सब नाबालिग थे। यानी अट्ठारह साल से कम उम्र वाले थे। यूं तो बताया गया कि इन्होंने पारिवारिक समस्याओं, प्रेम संबंधों व बीमारी के कारण खुद को खत्म कर लिया। मगर इनमें जादू-टोना, गरीबी, नशेबाजी व बेरोजगारी भी पायी गयी। किसी भी सभ्य/ शिक्षित समाज के लिए यह खौफनाक है।

वर्तमान में हमारी 65% आबादी तीस साल से कम वालों की है। समाज का यह बड़ा तबका ऊर्जा से भरपूर है। जिसका बेहतरीन इस्तेमाल संभव है। मगर जिस तेजी से बच्चों में अवसाद/ कुंठा/ निराशा घर कर रही है, हम जल्द ही हाथ मलते रहने वाले हैं। बच्चों के पालने को जितना अगंभीरता से लिया जाता है। दरअसल वह उनके बाल मन को बोझिल करता जाता है। घर के भीतर ही नहीं, स्कूलों में भी किताबी पढाई का प्रेशर के आगे, बच्चों की जिज्ञासाएं दबाई जाती हैं। प्रतिस्पर्धा की आड़ में उन्हें हर रोज तुलना का शिकार बनाया जाता है। उनके साथ टीचरें बेरुखी से बात करती देखी जाती हैं। हालांकि मैं ऐसी कई मांओं को देखती हूं। जिन्होंने खुद को हैलीकॉप्टर बना लिया है। वे रोबोट की तर्ज पर बरताव करती हैं। बच्चे उन्हें निर्देश ही नहीं देते, बल्कि हिदायत भी देते हैं। मेरी एक दोस्त, जो वकील है, की बच्ची अमूमन घर का खाना नहीं खाती थी। उसे मैगी, फ्रन्च फ्राय, बर्गर ही चाहिए। टीन्स में पहुंचने से पहले ही वह गंभीर रूप से बीमार हो गयी। उसका स्कूल छूट गया। मां-बेटी दोनों अवसादग्रस्त हो गयीं। एक अन्य परिचित के बेटे के स्कूल से लगातार क्लास में मन ना लगाने की शिकायते आती रहीं। अन्ततः पता चला, उसकी नजर कमजोर हो रही थी। टीचर का ब्लैक बोर्ड पर लिखा, उसे नजर ही नहीं आता। उसे नन्हीं सी उम्र में चश्मा लग गया। बात यहीं नहीं ठहरी। नेत्र विशेषज्ञ ने सख्ती से हिदायत दी कि बच्चे को टेलीविजन, कंप्यूटर व मोबाइल से दूर रखें। दंपति का कहना था, यह संभव नहीं। गहराई से पूछने पर पता चला। वे बच्चे को व्यस्त रखने के लिए टीवी चला देते हैं। अपने काम निपटाने के लिए वे बच्चे को मोबाइल गेम में जुटा देते हैं। ऐसा करने वाले मां-बाप हर तरफ नजर आ रहे हैं। जब मैंने उनको सुझाव दिया कि वे स्वयं बाहर निकलें। बच्चे को पार्क ले जाएं। उसे दौड़ने को बोलें तो दोनों एक-दूसरे पर टालने लगे। मेरे यह कहने पर कि घर लौटते ही तुम मोबाइल को साइलेंट करके बच्चे से बातें करो। उसके सवालों को समझो, दोनों ने हाथ खड़े दिये। इन दोनों की स्थिति हाशिए पर संभली। पर पालक अपने बच्चे की हर फरमाइश के आगे नत-मस्तक हैं। इससे हो रहे नुकसान के प्रति इन्हें तनिक चिन्ता नहीं। मेरा बेटा जब काफी छोटा था, तभी उसका आकलन था कि चाइल्ड साइकोलॉजी की बजाए पालकों को पेरेंट्स साइकोलॉजी जरूर पढाई जानी चाहिए। दरअसल अपने यहां अभी भी बच्चे बड़े पारंपरिक ढर्रे से पाले जा रहे हैं। जबकि तमाम स्थितियां बिल्कुल उलट हो चुकी हैं। न्यूक्लियर फैमिली और कम बच्चे। उस पर घर से बाहर निकलने पर बच्चों की असुरक्षा का खौफ। मांओ को डराता ज्यादा है। जो मांएं बच्चों को लेकर खेलने के लिए पार्कों या स्पोर्ट्स ग्राउंड तक जाती भी हैं। उनकी सख्तियां अलग हैं। बच्चों को बेहतरीन भविष्य के लोभ में टेलरमेड बनाने का दस्तूर चल निकला है। सबको परफैक्शन चाहिए। दंपति अपनी सभी दमित इच्छाएं बच्चे पर थोपने की जल्दबाजी में हैं। कोई इन नाबालिगों की सुनने को राजी नहीं। बच्चा क्या पढना चाहता है। किस विषय को लेकर उसके भीतर भय बैठ चुका है। कोई नहीं सुनता। वह मोबाइल पर क्या देख रहा है। उसकी जिज्ञासाएं क्या हैं। उसे कब काउंसलिंग चाहिए। यह सब विचारा ही नहीं जाता। यही नहीं, अपने यहां बच्चों के साथ यौन हिन्साएं भी खूब होती हैं। उनका दैहिक शोषण होता है, पर ये सब बुरी बातें हैं, कह कर इन पर कोई तवज्जो नहीं दी जाती। ये जो बच्चे खुद को मारने पर तुले हैं, यह नासमझी पालकों की अधिक है। जिन्हें अन्दाजा ही नहीं है, उनका नौनिहाल किस मानसिक स्थिति से जूझ रहा है। खासकर किशोरवय उम्र तेजी से उलझावदार होती जा रही है। दैहिक बदलावों के साथ ही मानसिक झंझावातों को भी समझना होगा। उनमें विपरीत सेक्स के प्रति आकर्षण हो या वीडियो गेम का चस्का, अनदेखी ना करें। आज का किशोर किसी नौजवान से कम नहीं जानता। उसको बच्चा समझने की भूल तो कतई ना करें। उसका सम्मान करें। समझें। उसकी भावनाओं की कद्र करें। सवालों की बजाए उसके मन को पढ़ें। कैमरा बन कर उस पर नजर रखने की बजाए, परिपक्वता दिखाते हुए, उसकी उलझनों को सुलझाएं। ■

> 2020 में सवा ग्यारह हजार बच्चों ने खुदकुशी की। उसके पहले 2019 में साढे नौ हजार। नैशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार साल में हर दिन तकरीबन 31 बच्चों ने खुद को मार डाला

माता-पिता के अहंकार में पिसते बच्चे

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

अकसर हिंदी अंगरेजी अखबारों में छपने वाले समस्या कालम्स पर नजर जाती है। वहां जिन सवालों पर इन दिनों ज्यादा जोर रहता है, वे हैं, युवाओं की पारिवारिक समस्या। अकसर तलाकशुदा लोग अपने पार्टनर की शिकायत करते पाए जाते हैं। स्त्रियों के मुकाबले पुरुष इस बात की अधिक शिकायत करते हैं कि अदालती आदेश के बावजूद उन्हें पत्नी बच्चों से नहीं मिलने देती। कई तो यह भी कहते हैं कि वे बहुत सालों से हर तरह की कोशिश के बाद अपने बच्चों से नहीं मिल सके हैं। अब तो शायद वे उन्हें पहचानना ही भूल गए होंगे।

बहुत से पति-पत्नी अलग होने के बाद एक-दूसरे के प्रति इतनी कड़वाहट से भर जाते हैं कि एक-दूसरे की शक्ल नहीं देखना चाहते। उनकी ऐसी जिदों का शिकार अकसर बच्चे होते हैं। वे माता-पिता के अहंकार के बीच में फंसकर पिस जाते हैं। सारी आफत उन्ही के सिर आती है, बिना किसी कसूर के।

आखिर जिन बच्चों को आप इस दुनिया में लाए हैं, उनकी जिंदगियों से क्यों खेलते हैं। बच्चे माता-पिता की आपसी रंजिशों, अहंकार भरी बातों से इतने आहत होते हैं कि जिंदगी भर इन दुखों को नहीं भूल पाते। बहुत से बच्चे अपनी मां या पिता से भयंकर नफरत करते हैं। इसका कारण मां या पिता द्वारा दूसरे पक्ष की ऐसी घृणित और अमानवीय छवि पेश करना है, जिससे वह खलनायक या खलनायिका ही लगे।

बहुत साल पहले एक बड़े लेखक की लड़की मिली। उसने बताया था कि जब वह बहुत छोटी थी, तब उसकी मां जबर्दस्ती उसे उसके पिता के पास छोड़कर चली गई थी। क्योंकि मां का मानना था कि वह बच्ची को अपने मायके से दहेज में नहीं लाई है। उसके जन्म में उसके पिता की भी भूमिका है, इसलिए वही इसकी जिम्मेदारी निभाए। बच्ची रो-रोकर उसे पुकारती रही थी, मगर मां ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बच्ची की मां ने अपनी सखी-सहेलियों से गौरवपूर्वक कहा था कि अब वह पूरी तरह से आजाद है। बच्ची ने जीवनभर विमाता से दिए गए कष्टों को झेला। पिता ने जरा सा भी उसका पक्ष लेने की कोशिश की तो विमाता ने उसे और सताया। बच्ची और मां सालों तक नहीं मिले। एकाएक मां को बच्ची से बात करने का खयाल आया। उसने बच्ची को घर पर फोन किया। बच्ची अब बड़ी हो गई थी। नौकरी करती थी। मां ने उससे आग्रह किया वह उससे मिलना चाहती है। या तो वह उसके पास आ जाए या वह आ जाती है। लड़की बोली, लगता है तुम सब कुछ भूल गई हो। लेकिन मैं नहीं भूली। किस तरह तुम मुझे मेरे पिता के दरवाजे फेंक कर चली गई थी। मैं रोती रही थी, लेकिन तुम नहीं रुकी। अब इतने दिनों बाद किस लिए मिलना चाहती हो। क्योंकि मैं तुम्हारी मां हूं।

मां तो उस वक्त भी थी, जब मुझे फेंक गई थी। यह इमोशनल ड्रामा बंद करो। मुझे तुमसे आज, कल, परसों, पूरे जीवनभर कभी नहीं मिलना है। अब कभी फोन भी मत करना। वैसे मेरा मोबाइल तो तुम्हारे पास है नहीं। लैंड लाइन पर कर रही हो। यही है इतना पुराना कि तुम्हें नम्बर पता होगा। कल ही इसे कटवा दूंगी।

मां के पास कोई जवाब नहीं था। उसे इस बात की कल्पना भी नहीं थी कि उसकी बेटी एक दिन उसकी शक्ल भी नहीं देखना चाहेगी।

आजकल ऐसी कथाएं हर रोज सामने आती हैं। बच्चे परेशान हों तब भी अपने अहंकार को पोसने के अलावा कुछ नहीं दिखाई देता। इस मामले में सेलिब्रिटीज अच्छे लगते हैं जो अलग होने के बाद भी बच्चों की खातिर एक-दूसरे से मिलते रहते हैं। बच्चों पर किससे मिलना है और किससे नहीं, इस तरह की बंदिश भी नहीं लगाते। ■

मैनीक्योर और नेल्स टिप्स

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

हाथों को बेहतर रखने के लिए हफ्ते में एक बार मैनीक्योर करना अच्छा रहता है। घर पर ही अपने हाथों का मैनीक्योर किया जा सकता है। अपने हाथों को गर्म पानी में भिगोने के लिए छोटा कटोरा, एमरी बोर्ड, ऑरेंज स्टिक, नेल क्लिपर, कॉटन वूल, नेल वार्निश रिमूवर, नेल वार्निश और हैंड क्रीम लें।

पुराने नेल वार्निश को कॉटन वूल और नेल वार्निश रिमूवर से हटा दें। बहुत ज्यादा रिमूवर न लगाएं, क्योंकि इससे नाखून रूखे हो जाते हैं। नेल क्लिपर से नाखून काटें। एमरी बोर्ड का इस्तेमाल करके ओवल अंडाकार आकार दें। नाखूनों को केवल एक ही दिशा मे फाइल करना चाहिए न कि आगे और पीछे।

फिर कटोरे में थोड़ा सा गर्म पानी डालें और उसमें अपने हाथों को 5 मिनट के लिए भिगो दें। शैम्पू या साबुन रहित बाथ जेल की कुछ बूंदे मिलाएं। भीगने के बाद नाखूनों को साफ करने के लिए मुलायम ब्रश का इस्तेमाल करें। सख्त नेल ब्रश का इस्तेमाल न करें।

कॉटन बड्स का इस्तेमाल करें या ऑरेंज स्टिक के चारों ओर सूती ऊन लपेटें और क्यूटिकल्स को धीरे से पीछे धकेलें। मेटल क्यूटिकल पुशर के इस्तेमाल से बचें, क्योंकि इससे स्किन में चोट लग सकती है। अगर क्यूटिकल चिपक जाते हैं तो कुछ क्रीम लगाएं और फिर उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश करें। नाखूनों के नीचे साफ करने के लिए रुई का इस्तेमाल करें। फिर, इसके लिए नुकीले धातु के उपकरणों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। नाखूनों, क्यूटिकल्स और हाथों पर हैंड क्रीम लगाएं। इससे क्यूटिकल्स और हाथ की स्किन में मालिश करें। नम तौलिये से अतिरिक्त क्रीम पोंछ दें। विटामिन बी और ई से भरपूर अर्क के साथ खुबानी और गुलाब के तेल से युक्त हैंड क्रीम तैयार की है।

नाखूनों के आधार से टिप तक, स्ट्रोक का उपयोग करते हुए नेल वार्निश लगाएं। नेल्स पर तीन लंबे स्ट्रोक पर्याप्त हैं। पहले इसे नाखून के बीच में और फिर दोनों तरफ लगाएं। समान फिनिश के लिए रंग के दो कोट लगाएं। सबसे पहले सभी नाखूनों एक कोट लगाएं। सूखने पर ही दूसरा कोट लगाएं।

याद रखें

- हाथों को भिगोने के लिए बहुत गर्म पानी का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे स्किन और नाखून रूखे हो सकते हैं।

- अगर आपके नाखून भंगुर हैं, तो फ्रॉस्टेड नेल वार्निश से बचें।
- क्यूटिकल्स को कभी न काटें या उन पर या नाखूनों के नीचे किसी धारदार धातु के उपकरण का प्रयोग न करें।
- अगर नाखूनों में कोई इंफेक्शन है, तो उन्हें फाइल करने और नेल वार्निश के इस्तेमाल से बचें। मेडिकल हैल्प लें, क्योंकि यह फंगल संक्रमण या सोरायसिस हो सकता है।
- दैनिक आहार में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम, सल्फर, अमीनो एसिड, फॉस्फोरस, विटामिन बी और ई लें। दूध और दूध से बने उत्पादो, साबुत अनाज, अंडे, फल, पत्तेदार हरी सब्जियां खाएं। अपने सामान्य आहार में बदलाव करने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह लें, खासकर अगर आपको कोई बीमारी हो।

नाखूनों की सुंदरता के लिए उपयोगी टिप्सः

- अगर बिना पॉलिश के दोनों ओर कुछ हिस्सा छोड़ देते हैं तो चौड़े नाखून भी छोटे दिखते हैं।
- अगर हल्के रंग की नेल पॉलिश लगाती हैं तो छोटे नाखून लंबे दिख सकते हैं।
- अगर नेल पॉलिश को छीलने से बचें। इससे नाखून की सुरक्षात्मक परत हट सकती है।

■

गोल्डन शाही पीस

■ अनिता घोष

सामग्री- ब्रेड 6 पीस, मिल्क मेड आधा कप, चीनी एक कप, फूड कलर दो बूंद, काजू-बादाम दो चम्मच, तलने के लिए घी

विधि- ब्रेड के किनारे के सख्त हिस्से को काट कर निकाल दें। इन्हें गोल या तिकोना आकार दें। फ्राई पैन में घी गरम करें। घी गरम होने पर ब्रेड के टुकड़ों को सुनहरा तल लें। तले कर प्लेट में अच्छे से सजाएं। चम्मच की सहायता से तली ब्रेड पर मिल्क मेड की परत लगाकर उन्हें अलग-अलग एक ही प्लेट में रखें। कढ़ाही में चीनी और पानी मिलाकर एकतार की चाशनी बना लें। फूड कलर की दो बूंदें भी डाल दें। ध्यान रहें कि चाशनी ज्यादा गाढ़ी न हो जाए। उसे आंच से उतार लें। चाशनी को ब्रेड के ऊपर धीरे धीरे डालें। चाशनी इतनी डालें,

जिससे ब्रेड डूब जाए। थोड़ी ही देर में ब्रेड पीस चाशनी को सोख लेंगे। अब मिल्क मेड डालें। काजू-बादाम के टुकड़ों से सजाएं। तैयार हो गया शाही टुकड़ा। गोल्डन शाही पीस गरम या फ्रिज में रखकर ठंडे ईद के मौके पर सर्व कर सकते हैं।

कीमा बिरयानी

सामग्री- 500 ग्राम बासमती राइस, दही एक कप, 200 ग्राम कीमा, प्याज 100 ग्राम, दूध एक कप, देसी घी 100 ग्राम, साबुत बड़ी इलायची 2-3, एक चम्मच गरम मसाला पाउडर, नमक स्वादानुसार, 2 तेजपत्ता, दालचीनी टुकड़ा एक इंच, छोटी इलायची 4-5, लौंग 4-5, एक चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, हल्दी एक छोटा चम्मच, एक चम्मच जीरा पाउडर, एक चम्मच धनिया पाउडर, सौंफ एक चौथाई छोटा चम्मच, नींबू का रस एक छोटा चम्मच, हरी धनिया कटी हुई एक कप।

विधि- मीडियम साइज के भगोने में पानी डालकर गरम करने के लिए रखें। जब पानी उबलने लगे तो उसमें चावल धो कर डाल दें। उसमें लौंग, दालचीनी, सौफ, बड़ी इलायची, छोटी इलायची, थोड़ा सा धनिया, स्वादानुसार नमक डाल दें। थोड़े देर तक चावल को पकने दें।

कढ़ाही में घी डाल कर प्याज तलें, अदरक -लहसुन पेस्ट, धनिया पाउडर, हल्दी, नमक, मिर्च, गरम मसाला, नींबू का रस, दही, हरी धनिया डालें और थोड़ी देर चलाने के बाद पकने दें। चावल अधपका हो गया होगा। चावल के बर्तन को गैस से उतार कर पानी निकाल दें। कढ़ाही में पक रहे मसालों में कीमा को धोकर डालें और सारे मसालों को थोड़े देर के लिए चलाएं। इसके बाद अधपके चावल पर दूध डाल दें। कढ़ाही को ढंक दें और हल्की आंच पर 5-6 मिनट तक पकाएं। 5-6 मिनट बाद कढ़ाई को खोलें और कलछी से चलाते रहें। तैयार हो गयी कीमा बिरयानी।

बुरहानी रायता

सामग्री- दही 250 ग्राम, एक चम्मच बारीक कटी धनिया, 5-6 बारीक कटे लहसुन, आधा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च

पाउडर, 1/4 भुना जीरा पाउडर, एक चुटकी काला नमक, नमक स्वादानुसार।

विधि- बाउल में दही को रखें। मथनी की सहायता से दही को तब तक फेंटे, जब तक दही मुलायम न हो जाए। इसमें हरी धनिया, काला नमक, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक मिलाकर अच्छे से फेंट लें। इस पूरे मिश्रण को एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। सर्व करें ठंडा-ठंडा बुरहानी रायता बिरयानी के साथ। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(19 अप्रैल - 25 अप्रैल)

मेष (21मार्च-20अप्रैल)- लक्ष्यों को प्राप्त करने और बड़ी सफलता पाने के लिए सभी आवश्यक कौशल और क्षमताएं हैं। लगन एवं मेहनत से महत्वपूर्ण पेशेवर उपलब्धियां प्राप्त कर सकते हैं। करियर एवं वित्त के मामले में संतुलित होगा। वाणी पर संयम बनाए रखें और जो बोलते हैं, उसमे बहुत सावधान रहें। जीवनसाथी की जरूरतों का पूरा ध्यान रखें। धार्मिक कार्यो का आयोजन होगा।

वृषभ (21अप्रैल- 21मई)- विचारों में भिन्नता संबंधों के मध्य भ्रम की स्तिथि पैदा कर सकती है। इस स्तिथि के कारण गुस्सा और चिढ़चिढ़ाहट आ सकता है। नौकरी- व्यवसाय में पूर्ण परिश्रम से किए गए कार्यो में लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक और दांपत्य जीवन में सुख शांति में कमी रहेगी। स्वास्थ्य के मामले में विशेष ध्यान रखने की जरुरत है।

मिथुन (22मई-21जून)- व्यापार में निर्णय परार्मश करके ही लें। धैर्य से काम लें। व्यापार में लाभ मिलेगा। आस पास खुशियां बाटेंगे। मित्रों और परिजनों के आतिथ्य सत्कार का आनंद लेंगे। व्यावसायिक उद्यमों में सफलता के लिए महत्वाकांक्षी और दृढ़ हैं। अधिकारी का सहयोग मिलेगा। भूमि, घर या किसी अन्य प्रॉपर्टी में निवेश कर सकते हैं, जिससे लाभ होगा। सेहत के प्रति लापरवाह न रहें।

कर्क (22जुड़े-22जुलाई)- कार्यक्षेत्र में छोटे मोटे उतार चढ़ाव लगे रहेंगे। सहकर्मियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वस्थ सम्बन्ध रखें। कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। व्यवसाय से सम्बंधित कोई भी निर्णय लेते समय भावनाओं को शामिल न करें। परिवार आवश्यक होगा और उनके प्रति बहुत सुरक्षात्मक होंगे। भावनाओं और विचारों को सीमित न रखें। राय खुलकर रखें। प्रियजनों या पारिवारिक जिम्मेदारियों की देखभाल करने के लिए खुद को नजरअंदाज न करें।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- स्वभाव में उग्रता रहेगी और उदास महसूस करेंगे। समायोजन लगभग हर स्तर पर आवश्यक है। धैर्य रखना होगा और चीजों को उनकी प्राकृतिक प्रक्रिया के साथ हस्तक्षेप से बचने की जरुरत है। फिजूलखर्चो से बचें। जीवनसाथी अथवा साझेदार से मनमुटाव हो सकता है। जीवन के लिए अपने दृष्टिकोण में व्यवहारिक बनने की कोशिश करें। रुके हुए कार्य पूर्ण होने में थोड़ा वक्त और लग सकता है। योग अथवा व्यायाम अपनाएं।

कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)- पेशेवर जीवन में संतुष्टि महसूस होगी। अतीत में किए गए प्रयासों से शुभ परिणाम हासिल होंगे। करियर में बदलाव के लिए समय शुभ है। यदि फिजूलखर्ची पर लगाम लगा लेते हैं तो आर्थिक पक्ष के लिहाज से भी समय अनुकूल रहेगा। वित्तीय निवेश करते समय सावधानी बरतें। जो लोग लम्बे समय से बीमार चल रहे, उनकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

तुला (24सितम्बर-23 अक्टूबर)- संतुलन की जरुरत है। परिवर्तन का समय है। कुछ नया करने में ऊर्जा लगाएं। नेचर में समय बिताएं। काम पर ध्यान दें। जुनून को कुछ नया करने में लगाएं। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। जीवनसाथी के साथ समय बिताएं और साथ में यात्रा का भी योग है। विद्यार्थी वर्ग को सफलता पाने के लिए मेहनत करने की आवश्यकता है।

वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवंबर)- जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकता है। पति पत्नी एक दूसरे के साथ समय बिताने की कोशिश करें, बिखर चुकी चीजों को संगठित करने में ऊर्जा लगाएं। सेहत के लिए समय अनुकूल नहीं है। हड़बड़ी में कोई फैसला न लें। आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल नहीं है। परिश्रम करने की आवश्यकता है।

धनु (23नवम्बर- 22दिसम्बर)- इच्छाशक्ति को मजबूत करें और आगे बढ़ें। यात्रा का भी योग है। योग्यता पर विश्वास करें और नई योजनाओं पर अमल करें। संगीत सुने, ऊर्जा मिलेगी। योग्य जातक जातिकाओं के लिए विवाह के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे।

मकर (23दिसम्बर-20जनवरी)- क्षमता दिखाने के लिए कई अवसर मिलेंगे। कड़ी मेहनत, ईमानदारी पर निश्चित रूप से ध्यान दिया जाएगा। लक्ष्य प्राप्त करने के लिए रणनीति तैयार करें। जरूरत पड़ने पर दूसरों से समर्थन लें। ऑफिस की राजनीति से दूर रहें। ऊर्जा को केवल काम पर केंद्रित करें। परिवार बहुत सहयोगी होगा। स्वास्थ्य की उपेक्षा न करें। आर्थिक निवेश के प्रति सावधान रहें।

कुम्भ (21 जनवरी-19फरवरी)- समय अधिक अनुकूल नहीं है इसीलिए सीमित दायरे में रखें। कोई जोखिम नहीं लें। सहयोगियों और मित्रों के साथ सौहाद्रपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखें। जीवनसाथी के साथ जीवन सुखमय होगा। किसी भी नए कार्य को करने से पूर्व उसके बारे में अच्छे से जानकारी ले लें। आर्थिक निवेश के प्रति सतर्क रहें।

मीन (20फरवरी-20मार्च)- व्यावहारिक होने की जरुरत है। तनाव को बढ़ने न दें। प्रतिदिन व्यायाम करें। बदलाव से घबराएं नहीं उसका स्वागत करें। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। नौकरी व्यवसाय में पूर्ण परिश्रम से किए गए कार्यो में लाभ प्राप्त होगा। भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। अविवाहित हैं तो विवाह का योग बन सकता है। ■

खबर संक्षेप

सोने में 180 और चांदी 240 रुपए फिसली

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में कमजोर रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने का भाव 180 रुपये की गिरावट के साथ 60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 240 रुपये की गिरावट के साथ 75,780 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

चीन की जीडीपी 2023 की पहली तिमाही में 4.5% बढ़ी

बीजिंग। चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 2023 की पहली तिमाही में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इस दौरान खपत और खुदरा बिक्री बढ़ने से अर्थव्यवस्था को ताकत मिली। विशेषज्ञों ने कहा कि सरकार द्वारा कोविड महामारी को लेकर सख्त नीति को छोड़ने के बाद आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं।

रुपया तीन पैसे टूटकर 82.04 प्रति अमेरिकी डॉलर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 82.04 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। बाजार सूत्रों ने कहा कि विश्व की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर होने तथा कच्चेतेल की कीमतों में गिरावट के कारण रुपये की गिरावट पर अंकुश लगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.99 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला।

मैनकाइंड फार्मा का आईपीओ 25 को खुलेगा

नई दिल्ली। दवा बनाने वाली कंपनी मैनकाइंड फार्मा का आईपीओ (प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम) 25 अप्रैल को खुलेगा। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार तीन दिन का आईपीओ 27 अप्रैल को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली 24 अप्रैल को खुलेगी। इस आईपीओ के तहत कोई नया शेयर जारी नहीं किया जा रहा है, और यह पूरी तरह प्रवर्तकों और अन्य मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में प्रवर्तक रमेश जुनेजा, राजीव जुनेजा और शीतल अरोड़ा शामिल हैं।

आईटीआर फाइल करना कानूनन जरूरी, मिलते हैं आपको कई फायदे

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत में टैक्स सरकार की आय का प्रमुख स्रोत है और इसका एक बड़ा हिस्सा इनकम टैक्स से आता है। इनकम टैक्स व्यक्तियों की कमाई पर लगता है। इसके दायरे में आने वाले लोगों के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरना जरूरी होता है। इसके लिए इनकम टैक्स विभाग डेडलाइन तय करता है, जिसके पहले टैक्सपेयर्स को आईटीआर दाखिल करना पड़ता है। अधिकतर लोग सोचते हैं कि आईटीआर फाइल करना सिर्फ एक कानूनी जरूरत है। लेकिन वो नहीं जानते कि इसके कई फायदे भी होते हैं। पेनाल्टी और ब्याज से बचने के लिए समय पर इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना जरूरी है। अगर इस काम को तय अवधि के दौरान पूरा नहीं किया जाता है, तो 5000 रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। अगर आप फाइलिंग टालते रहते हैं, तो जुर्माना 10,000 रुपए तक पहुंच सकता है। इसके अलावा यदि आप पर कोई टैक्स बकाया है और समय सीमा तक उनका भुगतान नहीं करते हैं, तो आपको बकाया राशि पर ब्याज का भुगतान करना पड़ेगा।

लेट फाइन से बच सकते हैं

समय पर इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना सिर्फ आपकी कानूनी जिम्मेदारी भर नहीं है बल्कि इसके कई फायदे आपको मिलते हैं। समय पर अपना आयकर रिटर्न दाखिल करके आप लेट फाइन से तो बच ही सकते हैं। साथ ही आप रिफंड का दावा कर सकते हैं, अपनी वित्तीय प्रोफाइल को मजबूत कर सकते हैं। इसलिए समय पर इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करना जरूरी होता है।

ऑडिट से भी बच सकते हैं

समय पर अपना टैक्स रिटर्न दाखिल करके आप आयकर विभाग के ऑडिट से भी बच सकते हैं। अगर आप तय समय सीमा के बाद अपना रिटर्न दाखिल करते हैं, तो आपके द्वारा दी गई जानकारियों का रिव्यू इनकम टैक्स विभाग कर सकता है। इसलिए समय पर आईटीआर दाखिल कर आप रिव्यू की प्रक्रिया से आसानी से बच सकते हैं।

मजबूत होती है फाइनेंशियल प्रोफाइल

समय पर अपना आयकर रिटर्न दाखिल करने का सबसे महत्वपूर्ण फायदा ये है कि आपकी फाइनेंशियल हिस्ट्री मजबूत होती है। साथ ही क्रेडिट स्कोर भी बेहतरीन होता है। अगर आप कभी लोन के लिए बैंक में आवेदन करेंगे, तो क्रेडिट स्कोर जरूरी होता है। इसके अलावा क्रेडिट कार्ड और अन्य फाइनेंसियल जरूरतों के लिए क्रेडिट स्कोर आवश्यक होता है।

रिफंड का दावा कर सकते हैं

अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में आते हैं, तो समय पर आयकर रिटर्न दाखिल करने का एक लाभ ये भी है कि आप रिफंड का दावा कर सकते हैं। अगर आपने पीपीएफ और किसान विकास पत्र जैसी स्कीम्स में निवेश किया है, तो 80सी के तहत छूट ले सकते हैं। लेकिन आप रिटर्न का दावा तभी कर सकते हैं, जब समय पर आईटीआर भरेंगे। अगर आप डेडलाइन के बाद आईटीआर दाखिल करते हैं, तो हो सकता है कि आपको रिफंड ना मिले।

कुक को दिखाने ग्राहक कंपनी का पहला मैक एसई लेकर पहुंचा

एजेंसी ▸▸| मुंबई

दुनिया की प्रमुख उपभोक्ता प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल का देश में पहला रिटेल स्टोर मंगलवार को चालू हो गया। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने सुबह 11 बजे ग्राहकों का स्वागत करते हुए स्टोर का दरवाजा खोला। उन्होंने ट्वीट किया, 'मुंबई में ऊर्जा, रचनात्मकता और जुनून हैरान करने वाला है।

हम भारत में अपना पहला स्टोर एप्पल बीकेसी खोलने को लेकर बहुत उत्साहित हैं।' अमेरिकी कंपनी ने करीब एक पखवाड़े पहले यहां बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स कारोबारी जिले के एक मॉल में अपना स्टोर खोलने की घोषणा की थी, जिसके बाद से एप्पल के चाहने वालों में जोरदार उत्साह था।

100 से अधिक कर्मचारी कार्यरत

एप्पल ने करीब 25 साल पहले अपने साझेदारों के जरिए भारत में उत्पादों और सेवाओं की बिक्री शुरू की थी। करीब 100 से अधिक कर्मचारियों और अन्य लोगों के जोशीले नारों के बीच कुक स्टोर के अंदर से दरवाजे खोलकर बाहर निकले और मेहमानों का स्वागत किया।

खास बातें

- एप्पल को भारत में पहला स्टोर खोलने में लगे 25 साल
- भारत में अपने साझेदार के जरिए उत्पादों की बिक्री शुरू की थी
- कुक ने ग्राहकों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई
- सात मिनट तक लगभग एक दर्जन ग्राहकों का स्वागत किया
- कंपनी गुरुवार को नई दिल्ली में दूसरा स्टोर खोलने जा रही

मॉल के बाहर लगी थी कतार

कई प्रशंसक सुबह से ही मॉल के बाहर कतार में लग गए थे, ताकि स्टोर में सबसे पहले खरीदारी कर सकें। एप्पल बीकेसी में पहुंचे गोरेगांव के एक डिजाइनर ने कुक के साथ सेल्फी ली। वह अपने साथ चार दशक पुराना मैक लिए हुए थे। इस उत्पाद ने एप्पल के एक मजबूत ब्रांड के रूप में स्थापित कर दिया था।

पहला मैक एसई लेकर पहुंचा था ग्राहक

ग्राहक ने कहा, 'मैं इसे 1984 से एप्पल की यात्रा को दिखाने के लिए लाया था। यह पहला मैक एसई है, जिसे 1984 में पेश किया गया था। मैं 1984 से एप्पल के उत्पादों का इस्तेमाल कर रहा हूं। यह लंबी यात्रा रही है।' वह मंगलवार को सुबह छह बजे से ही कतार में लग गए थे।

22 प्रतिस्पर्धी ब्रांड इलाके में नहीं कर पाएंगे विज्ञापन

कंपनी ने किराये पर जगह लेते वक्त यह भी सुनिश्चित किया कि उसके आसपास के इलाके में अमेजन, फेसबुक, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और सोनी सहित 22 प्रतिस्पर्धी ब्रांड अपना कोई विज्ञापन नहीं कर सकेंगे। कंपनी इसके बाद गुरुवार को नई दिल्ली के साकेत में अपने दूसरे रिटेल स्टोर का शुभारंभ करेगी।

42 लाख रुपए महीने देगी किराया

कुक ने स्टोर में वापस जाने से पहले करीब सात मिनट तक लगभग एक दर्जन ग्राहकों का स्वागत किया। कुक ने ग्राहकों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। मुंबई स्टोर के लिए कंपनी ने 11 साल के अनुबंध के साथ जगह पट्टे पर ली है। कंपनी एप्पल स्टोर के लिए हर महीने 42 लाख रुपए का किराया देगी।

15 घंटे पहले से डेरा डाले थे ग्राहक

स्टोर में सबसे पहले जाने वाले ग्राहक ने कहा, 'मैं कल रात आठ बजे से यहां हूं। मैं लगभग 15 घंटे से एप्पल स्टोर के बाहर डेरा डाले हुए हूं। मैंने नाश्ता नहीं किया है, नहाया नहीं है और आप हम सभी को पसीने में भीगते हुए देख सकते हैं। लेकिन हां, हम बहुत अधिक उत्साहित हैं।' वह एक एप्पल घड़ी खरीदना चाहते थे।

10 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार

कंपनी देश में 2,500 लोगों को रोजगार देती है और उसका दावा है कि उसके ऐप परिवेश के जरिए 10 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलता है। स्टोर में प्रवेश करने वाले दूसरे ग्राहक राजस्थान से आए थे। उन्होंने कहा कि वह नई दिल्ली के साकेत में स्टोर के उद्घाटन के मौके पर भी पहुंचेंगे। भारत के मोबाइल बाजार में एप्पल की सिर्फ तीन प्रतिशत हिस्सेदारी है और यहां इस समय चीनी और कोरियाई ब्रांड का वर्चस्व है।

अंबर परियोजना से तीस हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

▸▸| बिलासपुर

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) एवं जेनेरेशन इण्डिया फाउण्डेशन (जीआईएफ़) द्वारा अंबर परियोजना लांच की जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य दो वर्षों में तीस हजार युवाओं को गुणवत्तापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान कर उनके लिए रोजगार के उचित अवसर उपलब्ध कराना है। रायपुर जिले में इस परियोजना को लागू करने का दायित्व प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र रायपुर (पीएमकेके) को सौंपा गया है। परियोजना के अंतर्गत फ्यूचर स्किल के क्लाउड एप्लीकेशन डेवलपर कोर्स के माध्यम से विज्ञान संकाय से स्नातक एवं इंजीनियरिंग स्नातक युवाओं को क्लाउड आर्किटेक, क्लाउड एडमिनिस्ट्रेटर एवं क्लाउड एप्लीकेशन सॉफ्टवेर इंजीनियर के लिए प्रशिक्षण तथा रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। ऐसे युवा जिन्हें केवल 12 वीं तक की ही शिक्षा प्राप्त की है तथा वे 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, वे आईटी हेल्प डेस्क अटेंडेंट कम कंप्यूटर ऑपरेटर या रिटेल सेल्स एसोसिएट के कोर्स में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

- एनएसडीसी, जीआईएफ कर रहा है लांच

कैरियर की शुरूआत इस रूप में

आईटी हेल्प डेस्क अटेंडेंट कोर्स करने के पश्चात डाटा एंट्री ऑपरेटर ,ऑफिस एग्जीक्यूटिव, फ्रंट ऑफिस इंचार्ज, सर्विस डेस्क एग्जीक्यूटिव एवं हेल्प डेस्क समन्वयक के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत कर सकते हैं। रिटेल सेल्स एसोसिएट के कोर्स के माध्यम से कस्टमर सर्विस रिप्रेजेन्टेटिव, सेल्स रिप्रेजेन्टेटिव और स्टोर मैनेजर के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। ज्ञातव्य है कि प्रधान मंत्री कौशल केंद्र, रायपुर, शहर के तेलीबंधा के जीई रोड पर स्थित ऐश ग्लोबल बिल्डिंग के दूसरे तल पर स्थित है।

शेयर बाजारों में दूसरे दिन भी गिरावट

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स लगभग 184 अंक नुकसान में रहा। मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बीच बैंक, बिजली एवं दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाले क्षेत्रों के चुनिंदा शेयरों में मुनाफावसूली हावी रहने से बाजार में गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में बिकवाली हावी रहने और विदेशी पूंजी की निकासी होने से भी कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 183.74 अंक टूटकर 59,727.01 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में 46.70 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की गिरावट रही और यह 17,660.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में पावरग्रिड सर्वाधिक 2.62 प्रतिशत तक गिर गया।

शाखा से मुख्यालय को दी जाने वाली सेवा पर लगेगा 18 फीसदी जीएसटी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

किसी कंपनी के अलग राज्यों में स्थित शाखा कार्यालय के कर्मचारियों की तरफ से उसके मुख्यालय को मुहैया कराई जाने वाली सेवाएं 18 प्रतिशत जीएसटी के दायरे में आएंगी। एडवांस रूलिंग प्राधिकरण (एएआर) ने यह व्यवस्था दी है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संबंधित विवादों में फैसला करने वाले निकाय एएआर ने प्रॉफिसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में यह निर्णय दिया है। कंपनी ने एएआर से यह जानने की कोशिश की थी कि मुख्यालय को दी जाने वाली सेवाएं भी क्या जीएसटी के दायरे में आएंगी। प्रॉफिसॉल्यूशंस का कर्नाटक में पंजीकृत कार्यालय है जबकि तमिलनाडु में उसका शाखा कार्यालय है। शाखा कार्यालय इंजीनियरिंग, डिजाइन एवं लेखा जैसी सेवाएं अपने मुख्यालय को मुहैया कराता है। कंपनी की दलील थी कि कर्मचारी कंपनी में नियुक्त हुए हैं और वे मुख्यालय या शाखा कार्यालय के बजाय पूरी कंपनी के लिए काम करते हैं।

- एडवांस रूलिंग प्राधिकरण ने दी यह व्यवस्था

अलग राज्यों में स्थित कार्यालय कर्मी इसी दायरे में

इसका मतलब है कि किसी कंपनी के अलग राज्यों में स्थित शाखा कार्यालय के कर्मचारियों की तरफ से उसके मुख्यालय अथवा मुख्यालय से शाखा को कर्मचारियों द्वारा दी जाने वाली सेवाएं जीएसटी के दायरे में आएंगी।

रिलायंस कैपिटल के समाधान प्रक्रिया की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने रिलायंस कैपिटल की समाधान प्रक्रिया को पूरा करने की समयसीमा तीन महीने बढ़ाकर 16 जुलाई कर दी है। गौरतलब है कि कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल (आरकैप) के कर्जदाता नीलामी का दूसरा चरण आयोजित करने पर सहमत हुए हैं। पिछली समयसीमा 16 अप्रैल को खत्म हो चुकी है। सूत्रों ने कहा कि 90 दिनों की समयसीमा बढ़ाने की जरूरत थी, क्योंकि कर्जदाताओं ने 26 अप्रैल को दूसरे दौर की नीलामी आयोजित करने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, जिन बोलीदाताओं ने नीलामी के दूसरे दौर में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है, उनमें हिंदुजा समूह की इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल), टोरेंट इंवेस्टमेंट और सिंगापुर स्थित ओकट्री शामिल हैं। इससे पहले दूसरे दौर की नीलामी 11 अप्रैल को होनी थी, लेकिन बोलीदाताओं द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों को सुलझाने के लिए इसे 26 अप्रैल के लिए टाल दिया गया।

बिजनेस साइट

एलन के गौरवशाली 35 वर्ष पूर्ण

कोटा। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड ने 35वें स्थापना दिवस पर आशा स्कॉलरशिप स्कीम के तहत एक हजार विद्यार्थियों को निशुल्क कोचिंग देने की घोषणा की। इसके साथ ही स्थापना दिवस पर एलन परिवार द्वारा प्रातःकाल में एलन संकल्प से खड़े गणेश मंदिर तक पदयात्रा निकाली गई तथा हेल्थ चेकअप कैम्प लगाया गया। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट का संचालन निदेशक डॉ.गोविन्द माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, नवीन माहेश्वरी व डॉ.बृजेश माहेश्वरी, चारों भाई मिलकर कर रहे हैं। नेक्स्ट जनरेशन अविरल माहेश्वरी, अमन माहेश्वरी, आनन्द माहेश्वरी, केशव माहेश्वरी व आराध्य माहेश्वरी भी साथ मिलकर कई दायित्व निभा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ.गोविन्द माहेश्वरी ने

बताया कि 18 अप्रैल 1988 को स्थापित एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट 35वां स्थापना दिवस मना रहा है। सामाजिक सरोकार और सर्वोत्कर्ष एलन के मूल में है और विद्यार्थियों के हित में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए वचनबद्ध है। संस्कार से सफलता के इसी सिद्धान्त पर आगे बढ़ते हुए इस वर्ष एक हजार विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा देने का संकल्प लिया है। माहेश्वरी ने बताया कि एलन 7 देशों के साथ भारत के 22 राज्यों और 4 केन्द्र शासित प्रदेशों के 53 शहरों में स्टडी सेंटर्स के माध्यम से शिक्षा मुहैया करवा रहा है। सभी राज्यों की राज्य सरकारों के साथ मिलकर सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत अभावग्रस्त परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को एलन के विभिन्न सेंटर्स पर आशा योजना के तहत निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी।

सत्र 2022-23 में 3 लाख से अधिक छात्र

माहेश्वरी ने बताया कि 18 अप्रैल 1988 को किराये के कमरे से 8 विद्यार्थियों के साथ शुरू हुए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में सत्र 2022-23 में एलन में 3 लाख 1448 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। एलन ने एक साथ सभी विषयों का अध्ययन एक ही छत के नीचे शुरू करवाकर कोटा कोचिंग युग का सूत्रपात किया। एलन परिवार से वर्तमान में 16 हजार से अधिक लोग जुड़े हुए हैं।

केवल तीन पहियों पर भी दौड़ने में माहिर है यह बीवायडी

यांगवांग यू9 इलेक्ट्रिक कार सड़क पर करेगी 'बाउंस'

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

चीन की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी बिल्ड योर ड्रीम (बीवायडी) ने शंघाई ऑटो शो में अपनी नई ऑल-इलेक्ट्रिक सुपरकार यांगवांग यू9 को पेश किया है। इस कार को पेश करने के साथ ही कंपनी ने एक ज़बरदस्त तकनीक को भी प्रदर्शित किया है, जिसे डिसस-एक्स एडवांस सस्पेंशन सिस्टम कहा जा रहा है। इस कार की ख़ास बात ये है कि सड़क पर ये बाउंस करते हुए चलेगी और केवल तीन पहियों पर भी दौड़ने में माहिर है। बीवायडी ने जब यांगवांग यू9 इलेक्ट्रिक कार को स्टेज पर पेश किया उस वक्त वो बाउंस करते हुए मीडिया के सामने आई।

- कंपनी ने डिसस-एक्स एडवांस सस्पेंशन सिस्टम का किया इस्तेमाल

कैसी है ये इलेक्ट्रिक सुपरकार

यांगवांग यू9 में कंपनी ने क्वाड इलेक्ट्रिक मोटर सेटअप का इस्तेमाल किया है, जो कि 1,100बीएचपी की पावर और 1,280 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। कंपनी का दावा है कि ये कार महज 2 सेकेंड में ही 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। बिल्ड योर ड्रीम द्वारा साझा किए गए जानकारी के अनुसार ये कार सिंगल चार्ज में 700 किलोमीटर तक का ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम है।

क्या है डिसस-एक्स तकनीक

डिसस-एक्स सस्पेंशन सिस्टम में एक इंटेलिजेंट डंपिंग बॉडी कंट्रोल सिस्टम, एक इंटेलिजेंट हाइड्रोलिक बॉडी कंट्रोल सिस्टम और इंटेलिजेंट एयर बॉडी कंट्रोल सिस्टम शामिल है, ये सभी सुपरकार को हर तरफ से कंट्रोल प्रदान करते हैं। यदि कार का फ्रंट व्हील खराब हो जाता है या फिर टायर फट भी जाता है तो ये सस्पेंशन सिस्टम कार को आगे से थोड़ा उपर उठा लेता है, जिससे ब्रेक रोटर्स सड़क को नहीं छुते हैं और कार बिना किसी परेशानी के सामान्य तौर पर आगे बढ़ती रहती है।

सिस्टम बॉडी रोल को कम करता है

कार निर्माता ने यह भी कहा कि यह सिस्टम बॉडी रोल को कम कर सकता है, रोलओवर जोखिम को कम कर सकता है और आपातकालीन ब्रेकिंग में मदद कर सकता है। डिसस-एक्स सस्पेंशन सिस्टम में ऑटोमेकर की इंटेलिजेंट डंपिंग, हाइड्रोलिक और एयर बॉडी कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल किया है।

रामकृष्ण केयर में मनाया गया विश्व लिवर दिवस

रायपुर। रामकृष्ण केयर हास्पिटल में विश्व लिवर दिवस के अवसर पर मरीजों को इसके दुष्परिणाम से अवगत कराया गया। हास्पिटल के यकृत विभाग के डाक्टरों की टीम ने मरीजों का परीक्षण किया। इस अवसर पर स्वस्थ जीवन के लिए लिवर की सुरक्षा और देखभाल के महत्व को बारे में बताया। लिवर की सेहत और उसकी सुरक्षा से हम अपनी उम्र बढ़ने के साथ-साथ उसकी समझदार देखभाल कर सकते हैं। लिवर हमारे शरीर का सबसे बड़ा अंग होता है, जो खून में ऊर्जा को नियंत्रित करने, शरीर की विभिन्न क्रियाओं के लिए आवश्यक अनुज्ञापन देने, विषैले पदार्थों को नष्ट करने और सभी अन्य विषैले पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। लिवर की सेहत बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि अगर यह ठीक तरीके से काम नहीं करता है तो शरीर को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए विश्व लिवर दिवस पर हमें अपने लिवर की सुरक्षा और देखभाल के बारे में सोचना चाहिए।

राजस्थान फहराएगा जीत का परचम या लखनऊ के नवाब चटाएंगे धूल

एजेंसी ▶▶| जयपुर

इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में अब तक उतार-चढ़ाव वाला प्रदर्शन करने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम को अगर जीत की राह पर लौटना है तो उसे अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आज बुधवार को यहां होने वाले मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ की टीम ने अभी तक तीन मैच जीते हैं जबकि दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। उसके पास प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन उसके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। केएल राहुल की अगुवाई वाली लखनऊ के सामने राजस्थान के विजय रथ पर ब्रेक लगाने का चैलेंज होगा। प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर मौजूद राजस्थान रॉयल्स की टक्कर आईपीएल 2023 के 26वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगी। राजस्थान के रजवाड़ों का प्रदर्शन इस सीजन बेहद शानदार रहा है। राजस्थान ने अब तक खेले 5 मैचों में से चार में जीत का स्वाद चखा है।दूसरी ओर, केएल राहुल की अगुवाई वाली लखनऊ की टीम ने अभी तक तीन मैच जीते हैं जबकि दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा।

लखनऊ को मिली थी पंजाब के हाथों हार

दूसरी ओर, पंजाब के खिलाफ लखनऊ के हाथों से आखिरी समय पर जीत फिसल गई थी। हालांकि, टीम के लिए राहत भरी खबर यह है कि कप्तान केएल राहुल लंबे समय बाद फॉर्म में लौट चुके हैं। गेंदबाजी में मार्क वुड और रवि बिश्नोई ने कमाल दिखाया है। वहीं, युद्धवीर सिंह ने अपने पहले ही मैच में घातक गेंदबाजी से खूब वाहवाही बटोरी थी। राहुल ने पिछले मैच में 74 रनों की शानदार पारी खेली थी।

जीत की हैट्रिक लगा चुका है राजस्थान

आईपीएल के इस सीजन में अभी तक राजस्थान ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। राजस्थान पांच मैचों में से तीन मैच लगातार जीतकर हैट्रिक जमाई। हर मैच में बल्लेबाजी में जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल टीम को अच्छी शुरुआत देने में सफल रहे हैं। कप्तान संजू सैमसन के बल्ले से भी इस सीजन जमकर रन निकले हैं।

अब 4 की बजाय 3 को होगी भिड़ंत

वोटिंग के कारण लखनऊ चेन्नई मैच की तारीख बदली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में फैंस को एक से बढ़कर एक टक्कर देखने को मिल रही है लेकिन इस सब के बीच क्रिकेट फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। आईपीएल 2023 में 4 मई को लखनऊ सुपर जाएंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले जाने वाले मैच के शेड्यूल में बदलाव किया गया है।

गौरतलब है कि ये मैच लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेजी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक सूचना नहीं है लेकिन बीसीसीआई ने अनौपचारिक तौर पर टीमों को शेड्यूल में हुए बदलाव के बारे में बता दिया है कि मैच एक दिन पहले होगा।

एक दिल पहले होगा मैच

आईपीएल 2023 का 46वां लीग मैच मेजबान लखनऊ सुपर जाएंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला 4 मई को दोपहर साढ़े 3 बजे से खेला जाना था लेकिन उसी दिन लखनऊ में निकाय चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। ऐसे में ये मुकाबला अब चार की जगह तीन मई को 3.30 बजे से ही खेला जाएगा। बोर्ड के एक सूत्र के अनुसार लखनऊ नगर पालिका के चुनाव चार मई को होने हैं। मतदान प्रतिशत में कमी ना आए इसलिए ये बड़ा फैसला लिया गया है। लिहाजा सुरक्षा को लेकर मसला तो है ही लेकिन यह भी है कि लोग इस दिन चुनाव में व्यस्त रहेंगे तो स्टेडियम में भी दर्शक कम हो सकते हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	5	4	1	8
लखनऊ	5	3	2	6
चेन्नई	5	3	2	6
गुजरात	5	3	2	6
पंजाब	5	3	2	6
मुंबई	5	3	2	6
कोलकाता	5	2	3	4
बेंगलोर	5	2	3	4
हैदराबाद	5	2	3	4
दिल्ली	5	0	5	0

औरेंज कैप
डु प्लेसिस
259 रन

पर्पल कैप
मार्क वुड
11 विकेट

खबर संक्षेप

लिवरपूल ने लीड्स को 6-1 से करारी शिकस्त दी

लीड्स। लिवरपूल ने लीड्स को 6-1 से करारी शिकस्त देकर इंग्लिश प्रीमियर लीग में पिछले पांच मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की। लिवरपूल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 7-0 से करारी शिकस्त देने के बाद पिछले छह सप्ताह में प्रीमियर लीग में कोई मैच नहीं जीता था। कोडी जोकपा ने लिवरपूल की तरफ से पहला गोल किया। इसके बाद मोहम्मद सालाह और डिएगो जोटा ने दो-दो गोल दागे। स्थानापन्न खिलाड़ी डार्विन नुनेज ने टीम की तरफ से छठा और अंतिम गोल किया। लिवरपूल ने चार गोल दूसरे हाफ में किए। लीड्स के लिए एकमात्र गोल दूसरे हाफ के शुरू में लुइस सिनिस्टररा ने किया। लिवरपूल के इस जीत से 31 मैचों में 47 अंक हो गए हैं और वाह आठवें स्थान पर बना हुआ है। लीड्स 16वें स्थान पर है। उसके 31 मैचों में 29 अंक हैं।

अहमदाबाद ओपन गोल्फ में इनामी राशि एक करोड़ हुई

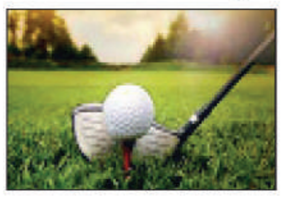

अहमदाबाद। राशिद खान, खालिन जोशी, उदयान माने जैसे अनुभवी खिलाड़ी बुधवार से यहां शुरू हो रहे अहमदाबाद ओपन गोल्फ चैम्पियनशिप में चुनौती पेश करेंगे। भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि एक करोड़ रुपये है। टूर्नामेंट में 126 खिलाडी चुनौती पेश करेंगे। इसमें 123 पेशेवर और तीन अमेच्योर खिलाड़ी हैं। 54 होल के इस टूर्नामेंट के शुरुआती दो दौर में नौ-नौ होल का खेल होगा। कट तय होने के बाद आखिरी के दो दौर 18-18 होल के होंगे। इसमें अमेरिका, श्रीलंका, कनाडा, नेपाल, बांग्लादेश के खिलाड़ी भी भाग ले रहे है। भारत की ओर से राशिद, खालिन और उदयान के अलावा अमन राज, वीर अहलावत, विराज मडप्पा, ओम प्रकाश चौहान, हनी बैसोया, सचिन बैसोया, गौरव प्रताप सिंह और करण प्रताप सिंह जैसे गोल्फर यहां चुनौती पेश करेंगे।

आईपीएल : इंडियंस की सनराइजर्स पर शानदार 14 रनों से जीत

मुंबई की जीत की हैट्रिक, आखिरी ओवर में छाए अर्जुन, होम ग्राउंड में हारा हैदराबाद

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

आईपीएल 2023 का 25वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया। इस मैच में हैदराबाद ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियस की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 192 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद की टीम 19.5 ओवर में 178 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इसी के साथ मुंबई इंडियंस ने अपने जीत के लय के बरकरार रखते हुए इस मैच को 14 रनों से जीत लिया।

इस मैच में मुंबई इंडियंस और हैदराबाद के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मैच के आखिरी ओवर में हैदराबाद को 20 रन की दरकार थी, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने अर्जुन तेंदुलकर से गेंदबाजी कराई और अर्जुन ने बेहतरीन गेंदबाजी की। अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी से जहां एक खिलाड़ी को रन आउट कराया वहीं आईपीएल का पहला विकेट भी झटका।

अर्जुन तेंदुलकर 01 विकेट 18 रन 2.5 ओवर

रोहित ने पूरे किए 6 हजार रन

मुंबई इंडियंस के कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इतिहास रचते हुए आईपीएल करियर में 6 हजार रन पूरे कर लिए हैं। रोहित शर्मा ऐसा करने वाले आईपीएल के चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। रोहित की कप्तानी में ही मुंबई इंडियंस पांच बार आईपीएल का खिताब अपने नाम कर चुकी है।

नजरें अब छक्कों का रिकॉर्ड पर

रोहित शर्मा के 6000 हजार रन पूरे होने के साथ ही अगर अब वे किसी मैच में तीन छक्के और मारते हैं तो वे आईपीएल में 250 छक्के लगाने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का कीर्तिमान क्रिस गेल के नाम पर है, जो 357 रन बनाकर पहले नंबर पर हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर एबी डिविलियर्स हैं, जिनके नाम 251 छक्के दर्ज हैं।

रोहित ने अर्जुन से करवाया पहला व अंतिम ओवर

मुंबई इंडियंस कप्तान रोहित शर्मा ने अर्जुन तेंदुलकर पर फिर अपना भरोसा जताते हुए हैदराबाद के खिलाफ नई गेंद थमाई और न केवल पहला ओवर कराया बल्कि बीच में एक तथा अंतिम ओवर भी अर्जुन से ही कराया। अर्जुन ने इस ओवर में एक खिलाड़ी को रन आउट कराया वहीं एक का विकेट हासिल किया। पहले मैच में अर्जुन को बल्लेबाजी करने की जरूरत नहीं पड़ी थी।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
रोहित का मार्कराम बो नटराजन	28	18	6	0
ईशान का मार्कराम बो जानसेन	38	31	3	2
कैमरन ग्रीन नाबाद	64	40	6	2
सूर्यकुमार का मार्कराम बो जानसेन	07	03	0	1
तिलक वर्मा का अग्रवाल बो कुमार	37	17	2	4
टिम डेविड रन आउट	16	11	2	0

अतिरिक्त : दो रन, कुल : 20 ओवर में 192/5 रन
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-31-1, जानसेन 4-0-43-2, सुंदर 4-0-33-0, नटराजन 4-0-50-1, मार्कंडेय 4-0-35-0

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
हैरी ब्रूक का यादव बो बेहरेनडोर्फ	09	07	2	0
मयंक अग्रवाल का डेविड बो मेरेडिथ	48	41	4	1
राहुल त्रिपाठी का किशन बो बेहरेनडोर्फ	07	05	1	0
एडेन मार्कराम का शोकीन बो ग्रीन	22	17	1	1
अभिषेक शर्मा का डेविड बो चावला	01	02	0	0
हेनरिच क्लासेन का डेविड बो चावला	36	16	4	2
अब्दुल समद रन आउट	09	12	1	0
मार्को जानसेन का डेविड बो मेरेडिथ	13	06	3	0
वाशिंगटन सुंदर रन आउट	10	06	2	0
भुवनेश्वर का शर्मा बो तेंदुलकर	02	05	0	0
मयंक मार्कंडेय नाबाद	02	02	0	0

अतिरिक्त : 19 रन, कुल योग : 19.5 ओवर में 178/10 रन
गेंदबाजी : तेंदुलकर 2.5-0-18-1, बेहरेनडोर्फ 4-0-37-2, मेरेडिथ 4-0-33-2, शोकीन 1-0-12-0, चावला 4-0-43-2, ग्रीन 4-0-29-1

तीरंदाजों को निशाना साधने का हुनर सिखाएंगे मुख्य कोच बैक वोंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय तीरंदाजी संघ ने 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों से पहले रिकर्व टीम के लिए ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बैक वोंग की को मुख्य कोच नियुक्त किया है। लंदन ओलंपिक में महिलाओं की व्यक्तिगत और टीम वर्गों में अपने देश के दोहरे स्वर्ण पदक जीतने वाले दक्षिण कोरियाई के वोंग की मंगलवार से तुर्की के अंताल्या में सत्र के शुरुआती वर्ल्ड कप चरण एक के साथ भारत के अपने कार्यकाल को शुरू करेंगे।

यह 2014 एशियाई खेलों के बाद यह पहली बार है जब भारत ने किसी विदेशी कोच को नियुक्त किया है। एएआई ने इटली के दो बार के वर्ल्ड कप विजेता सर्जियो पगनी को भी अपने साथ जोड़ा है। वे तुर्की वर्ल्ड कप में कंपाउंड टीम का मार्गदर्शन करेंगे। वोंग इससे पहले भारतीय खेल प्राधिकरण सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का हिस्सा थे। अब उन्हें ओलंपिक तक का करार दिया गया है।

टीमें:- रिकर्व पुरुष टीमः बी धीरज, अतनु दास, तरुणदीप राय, नीरज चौहान। रिकर्व महिलाः भजन कौर, अदिति जायसवाल, अंकिता भकत, सिमरनजीत कौर। कंपाउंड पुरुषः प्रथमेश जौहर, रजत चौहान, ओजस देवताले, ऋषभ यादव। कंपाउंड महिलाः अवनीत कौर, वी ज्योति सुरेखा, अदिति स्वामी, साक्षी चौधरी।

संजीव सिंह ने दिया ये बड़ा बयान

भारतीय तीरंदाजी के हाई परफार्मेंस निदेशक और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता संजीव सिंह ने बताया कि बैक वोंग को भारत के रिकर्व टीम का कोच बनाया गया है। वह एशियाई खेलों और उसके बाद ओलंपिक तक रहेंगे। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन 44 वर्षीय पगनी कंपाउंड टीम के साथ 2018 से जुड़े हुए हैं।

घरेलू क्रिकेट खिलाड़ियों को अब मिलेगी अधिक राशि, प्राइज मनी में इजाफा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बीसीसीआई ने रविवार को घरेलू टूर्नामेंटों की इनामी राशि में बढोत्तरी करने की घोषणा की। इसके बाद रणजी ट्राफी विजेता को इस सत्र से पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। रणजी ट्राफी विजेता को पुरस्कार के तौर पर अब तक दो करोड़ रुपये मिलते थे लेकिन नए ढांचे के अनुसार उन्हें पांच करोड़ रुपये मिलेंगे। उपविजेता और सेमीफाइनल हारने वालों को क्रमशः तीन करोड़ रुपये और एक-एक करोड़ रुपये मिलेंगे।

महिला विजेताओं को 50 लाख : जय शाह

बीसीसीआई के सेक्रेटरी ने ट्वीट करते हुए लिखा मुझे सभी घरेलू टूर्नामेंटों के लिए पुरस्कार राशि में वृद्धि की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। अब रणजी विजेताओं को 5 करोड़ (2 करोड़ से), सीनियर महिला विजेताओं को 50 लाख (6 लाख से) मिलेंगे। हम घरेलू क्रिकेट में निवेश करने के अपने प्रयासों को जारी रखेंगे जो कि भारतीय क्रिकेट की रीढ़ है।

अन्य ट्रॉफियों के खिलाड़ियों को भी मिलेगी अधिक राशि

शाह ने कहा कि ईरानी कप के लिए नकद पुरस्कार भी दोगुना कर दिया गया है, जिसमें विजेता को 25 लाख रुपये के बजाय 50 लाख रुपये दिए जाएंगे। अब उपविजेता टीम को 25 लाख रुपये मिलेंगे। दलीप ट्राफी और विजय हजारे ट्राफी में विजेता टीम को एक करोड़ रुपये और उपविजेता को 50 लाख रुपये। देवधर ट्राफी और सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के विजेताओं को 40 लाख और फाइनल में हारने वाली टीम को 20 लाख रुपये मिलेंगे।

महिला क्रिकेट टीम को भी मिला फायदा

देश में महिला क्रिकेट को बड़े स्तर पर बढ़ावा देने के लिए सीनियर महिला वनडे ट्राफी के विजेताओं को 50 लाख रुपये और उपविजेता टीम को 25 लाख रुपये दिए जाएंगे। सीनियर महिला टी-20 ट्राफी की विजेता टीम को 40 लाख रुपये मिलेंगे जो मौजूदा राशि से आठ गुणा अधिक है। इसमें फाइनल हारने वाली टीम को 20 लाख रुपये मिलेंगे।

श्रीलंका ने पहले टेस्ट में आयरलैंड को पारी और 280 रनों से हराया

गाले। श्रीलंका ने पहले टेस्ट मैच में आयरलैंड को पारी और 280 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। दोनों टीमें के बीच पहला टेस्ट मैच गाले में खेला गया था। इस तरह श्रीलंका 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है। वहीं, इस सीरीज का दूसरी टेस्ट मैच 24 अप्रैल से खेला जाएगा। बहरहाल, पहले टेस्ट मैच की बात करें तो श्रीलंका ने पहली पारी 6 विकेट पर 591 रन बनाकर घोषित कर दी। श्रीलंका के लिए पहली पारी में दिमुथ करूणारत्ने के अलावा कुसल मेंडिस, दिनेश चांदीमल और सदीरा समरविक्रमा ने शतकीय पारी खेली। इन चार बल्लेबाजों ने श्रीलंका के लिए बनाया शतकदिमुथ करूणारत्ने ने 179 रन और कुसल मेंडिस ने 140 रनों का योगदान दिया।

एशियाई खेलों से पहले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में कड़ी परीक्षा होगी : हरमनप्रीत

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरू

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि इस साल सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चेन्नई में होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम की कड़ी परीक्षा होगी।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी तीन से 12 अगस्त तक आयोजित की जाएगी जो हांगझू में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए आदर्श टूर्नामेंट होगा। भारत एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा।

खुद को परखने का अच्छा मौका

हरमनप्रीत ने कहा हमारी टीम में से अधिकतर खिलाड़ी पहली बार चेन्नई में खेलेंगे। उन्होंने कहा यह टूर्नामेंट खुद को परखने के दृष्टिकोण से हमारे लिए बहुत अच्छा होगा क्योंकि हमें उन टीमों का सामना करना है जिनसे हम एशियाई खेलों में भिड़ेंगे। हमें एशियाई खेलों की अच्छी तरह से तैयारी कर पाएंगे जहां हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना है।

भारत ने 2011 में जीता था खिताब : गौरतलब है कि भारत ने 2011 में पहली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। उसने 2016 में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था।

2018 से 2023 तक के मीडिया अधिकार करार की वजह से लिया गया फैसला

आईपीएल के बीच बीसीसीआई ने ब्रॉडकास्टर के करोड़ों रुपए किए माफ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस समय क्रिकेट जगत में दुनिया की सबसे अमीर क्रिकेट लीग आईपीएल की धूम मची हुई है। आईपीएल 2023 के बीच बीसीसीआई ने एक बड़ा फैसला सुना दिया है। इस फैसले से एक ब्रॉडकास्टर के करोड़ों रुपए माफ हो गए हैं। यह फैसला किस कारण से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने लिया है इसका कारण भी बताया गया है।

बीसीसीआई ने खुद जारी किया नोट

बीसीसीआई की तरफ से जारी किए गए नोट में कहा गया कि बीसीसीआई के अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मैचों के लिए पांच अप्रैल 2018 को किए गए बीसीसीआई और स्टार मीडिया अधिकार करार के तहत स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को एक मैच की छूट देने का फैसला किया गया है। इस अवधि के दौरान कुल मैचों की संख्या 103 से घटाकर 102 कर दी गई है।

स्टार इंडिया के सूत्रों ने क्या कहा

हालांकि, स्टार इंडिया के सूत्रों ने कहा की 2018 में जिस मीडिया अधिकार करार पर हस्ताक्षर किए गए थे उसमें 102 मैचों के आयोजन की संभावना थी। इसलिए एक मैच के शुल्क को माफ किए जाने का सवाल ही नहीं उठना चाहिए। सूत्रों ने न्यूज एजेंसी से कहा कि मीडिया अधिकार करार 102 मैचों के लिए था और स्टार इन मैचों के लिए ही भुगतान करेगा।

मीडिया अधिकार करार का मामला

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने स्टार इंडिया के साथ अपने 2018 से 2023 तक के मीडिया अधिकार करार में से एक मैच को हटाने का फैसला किया है। इस फैसले से स्टार को 78.90 करोड़ रुपये की छूट मिलेगी। बीसीसीआई का स्टार इंडिया के साथ मीडिया अधिकार करार 2018 से 2023 तक था, जो 31 मार्च को समाप्त हो गया। इस दौरान 102 मैचों के लिए 6138.1 करोड़ रुपए का करार किया गया था, लेकिन बीसीसीआई ने पांच साल के चक्र में 103 मैच खेले।

रमजान मुबारक के आखिरी अशरे में पहुंचे लाखों अकीदतमंद

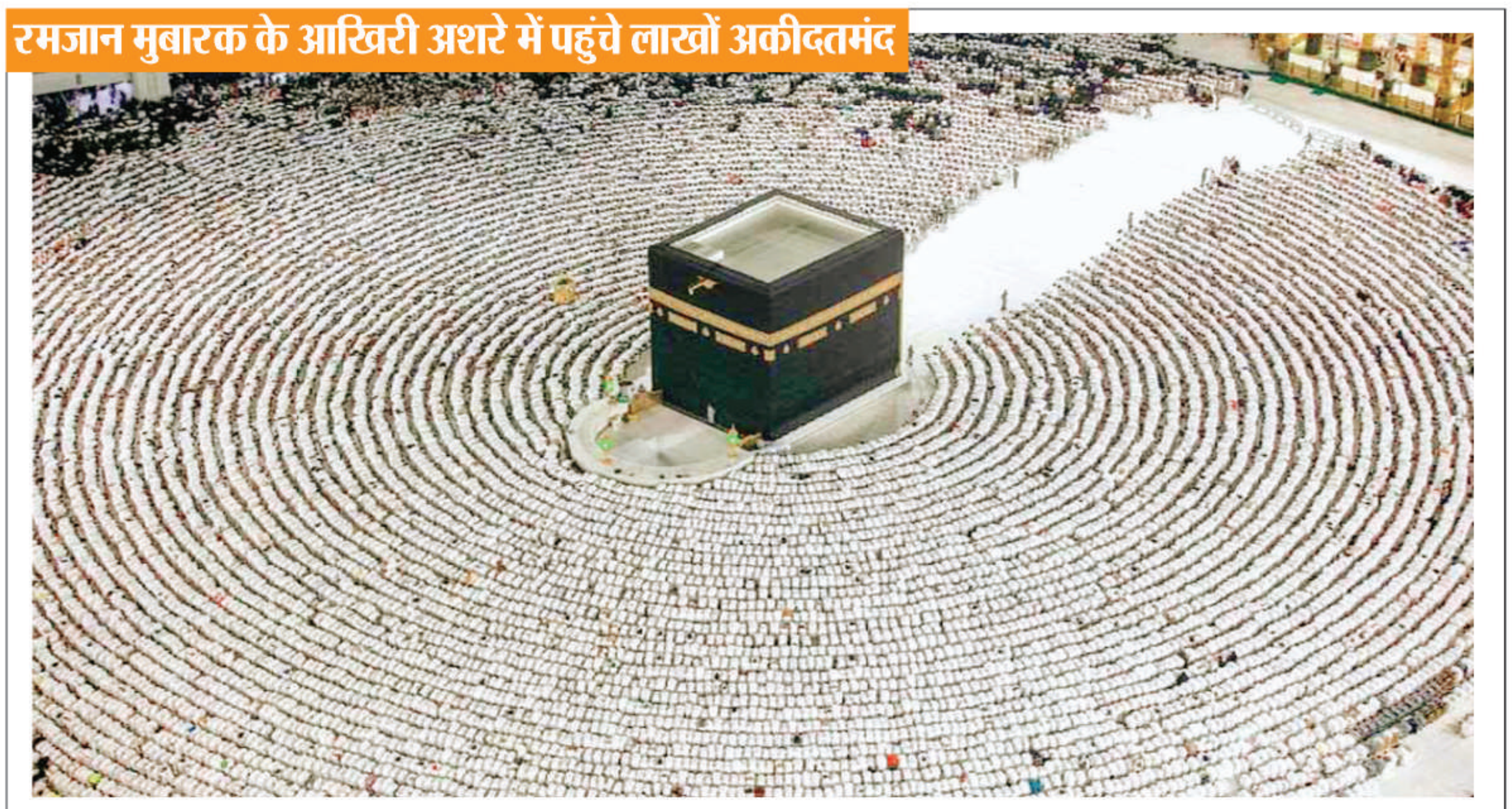

रमजान मुबारक के आखिरी अशरे में सऊदी अरब के मक्का शहर में बड़ी तादाद में अकीदतमंद उमरा करने के लिए पहुंचे हैं। इस्लाम में ऐसी मान्यता है कि जो लोग रमजान मुबारक में उमरा करते हैं उन्होंने पैगंबर साहब के साथ हज किया। इस तस्वीर में काबा शरीफ का तवाफ करते हुए लाखों लोग दिखाई दे रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के विद्रोहियों को कांग्रेस से अवसर

उत्तर कर्नाटक में भाजपा के लिए बागी बने बड़ी चुनौती

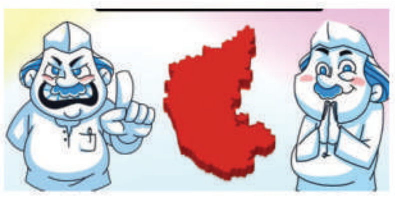

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में इस बार भारतीय जनता पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों को उत्तर कर्नाटक के धारवाड़, बेलगावी, हावेरी समेत अन्य जिलों की कई विधानसभा सीटों पर बागी उम्मीदवारों से कांटे का मुकाबला करना पड़ रहा है। भाजपा को कर्नाटक में इतने बड़े पैमाने पर बागियों या बगावत का सामना पहली बार करना पड़ रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में टिकट कटने से नाराज उत्तर कर्नाटक यानी कित्तूर कर्नाटक के कई भाजपा नेताओं ने विद्रोह का परचम फहरा दिया है। केसरिया पार्टी ने 2018 के विधानसभा चुनाव में उत्तरी कर्नाटक में 30 सीटों पर जीत हासिल की थी और इस बार वह अपनी सीटें 35-40 तक बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कर्नाटक भाजपा ईकाई ने पीएम नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की कई बड़ी रैलियां भी आयोजित की। यह अलग बात है कि भाजपा के अधिकृत प्रत्याशियों की पहली और दूसरी सूची जारी होते ही भगवा पार्टी के समीकरणों को बदल कर रख दिया। कुछ मौजूदा विधायकों सहित कई प्रमुख नेताओं ने टिकट कटने के बाद बागी रुख अपना लिया और निर्दलीय या कांग्रेस-जेडीएस पार्टी में शामिल होकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

इस तरह इन सीटों पर भाजपा को अपनों से ही कड़ा मुकाबला मिल रहा है। कुंडागोल, धारवाड़ ग्रामीण और हुबली-धारवाड़ पूर्व (एससी) में भाजपा उम्मीदवारों को अपने बागी उम्मीदवारों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ सकता है। हुबली-धारवाड़ भाजपा छोड़ने वाले पूर्व विधायक वीरभद्रप्पा हलहरवी अब जद (एस) के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस की चौथी सूची में शेट्टार को मिला टिकट

10 मई को कर्नाटक में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने मंगलवार को उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की है, जिसमें रविवार को कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार समेत सात लोगों को टिकट दिया गया। भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए जगदीश शेट्टार को हुबली मध्य निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। कांग्रेस ने हुबली-धारवाड़ा पश्चिम सीट से दीपक चिंचोरे को टिकट दिया है। वहीं लिंगासुर निर्वाचन क्षेत्र से दुर्गप्पा एस हुलागेरी, शिग्गमवी से मोहम्मद यूसुफ सावनूर, हरिहर से नंदगवी श्रीनिवास, चिक्कमगलुरु निर्वाचन क्षेत्र से एचडी तमैय्या और श्रवणबेलगोला से एमए गोपालस्वामी के लिए कांग्रेस के टिकट की घोषणा की गई है। भाजपा ने हुबली-धारवाड़ मध्य विधानसभा क्षेत्र से प्रदेश भाजपा महासचिव महेश तेंगिंकई को मैदान में उतारा है। पूर्व सीसएम शेट्टार इसी सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे।

66 वर्षों में बेंगलुरु ने सिर्फ छह महिलाओं को विधायक के रूप में चुना

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख हर गुजरते दिन के साथ और नजदीक आती जा रही है। इसके पहले बेंगलुरु शहर की विधानसभा सीटों को लेकर एक बेहद रोचक आंकड़ा सामने आया है। पिछले 66 सालों में नागरत्नम्मा हिरेमथ, लक्ष्मीदेवी रमन्ना, ग्रेस टकर, प्रमिला नेसारगी, शोभा करंदलाजे और सौम्या रेड्डी सरीखी चंद महिलाएं हैं, जो बेंगलुरु शहर की सीटों से विधानसभा पहुंचीं। इनमें से तीन क्रमशः नागरत्नम्मा, ग्रेस और प्रमिला दो बार निर्वाचित हुई हैं। इसका सीधा सा अर्थ यह निकलता है कि कर्नाटक की राजधानी ने लगभग सात दशकों में सिर्फ नौ महिला विधायक चुनी हैं। यानी 1957 से 2018 के बीच बेंगलुरु से चुने गए 203 विधायकों में से केवल 04 फीसदी ही महिलाएं थीं। अब तक हुए 14 चुनावों में 157 महिलाएं चुनावी समर में उतरीं।

28 को भारत आ सकते हैं नेपाल के पीएम पुष्प कमल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल, जिन्हें प्रचंड के नाम से भी जाना जाता है, के 28 अप्रैल को भारत आने की संभावना है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट्स में कहा गया है कि नई दिल्ली द्वारा काठमांडू की यात्रा की तारीख प्रस्तावित की गई थी। सूत्रों ने कहा कि प्रचंड के तीन दिवसीय दौरे पर भारत आने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यात्रा के संबंध में एक सप्ताह के भीतर दोनों देशों द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषणा की जाएगी। दहल इससे पहले प्रधानमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2008 में बीजिंग ओलंपिक के समापन समारोह में भाग लेने के बाद भारत आए थे। 2016 में फिर से, उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान नई दिल्ली का दौरा किया था।

राष्ट्रपति ने हिमाचल में किया ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार से 21 अप्रैल तक हिमाचल प्रदेश के दौरे पर है। राष्ट्रपति बनने के बाद श्रीमती मुर्मु का यह पहला हिमाचल दौरा होगा। इस दौरान श्रीमती मुर्मु राष्ट्रपति निवास, मशोबरा में रुकेंगी। राष्ट्रपति मुर्मु ने मंगलवार को मशोबरा में ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन किया। शाम को उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा उनके सम्मान में शिमला के राजभवन में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में भाग लिया। बुधवार को श्रीमती मुर्मू नेशनल एकेडमी ऑफ ऑडिट एंड अकाउंट्स, शिमला में भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगी। वह शिमला में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के 26वें दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। राष्ट्रपति गुरुवार को को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी का दौरा करेंगी। बाद में, वह राष्ट्रपति निवास में 'एट होम' रिसेप्शन की मेजबानी करेंगी। राष्ट्रपति निवास उसी दिन जनता के दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा।

श्रीनिवास बी वी पर अंगकिता का प्रताड़ित करने का आरोप

गुवाहाटी, (एजेंसी)। युवा कांग्रेस की असम अध्यक्ष अंगकिता दत्ता ने युवा संगठन के राष्ट्रीय प्रमुख श्रीनिवास बीवी पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें कई बार परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान, उन्होंने वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को श्रीनिवास से हुए उत्पीड़न के बारे में अवगत कराया लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। दत्ता ने कहा- श्रीनिवास बीवी ने मुझे लगातार परेशान किया है और मेरे लिंग के आधार पर भेदभाव किया है। मेरे संस्कार और शिक्षा मुझे अब और अनुमति नहीं देते हैं। नेतृत्व ने कई बार उनके सामने होने के बावजूद अनसुना कर दिया। श्रीनिवास बीवी सोचते हैं कि वह बहुत शक्तिशाली हैं और उन्हें बड़े नेताओं का आशीर्वाद है कि वह संगठन में महिला को परेशान और अपमानित कर सकते हैं।

एआई चैटबॉट ट्रथजीपीटी जल्द लॉन्च करेंगे मस्क

चैटजीपीटी और गूगल के बार्ड को मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिलिनेयर एलन मस्क ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्लेटफार्म ट्रथजीपीटी लॉन्च करने की घोषणा की है। इसके जरिए मस्क ओपनएआई के चैटजीपीटी और गूगल के बार्ड को टक्कर देंगे।

एक इंटरव्यू में मस्क ने ओपनआई पर एआई को झूठ बोलने की ट्रेनिंग देने का आरोप लगाते हुए आलोचना की। उन्होंने कहा कि ओपनआई अब केवल मुनाफे के लिए क्लोज्ड सोर्स वाला प्लेटफार्म बन गया है। साथ ही मस्क ने गूगल के को-फाउडर लैरी पेज पर एआई की सेफ्टी को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया। एलन मस्क ने 02 महीने पहले 17 फरवरी 2023 को ट्रथजीपीटी लाने के बारे में हिंट दिया था। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा था, हमें जो चाहिए वो है ट्रथजीपीटी। इंटरव्यू में एलन मस्क ने कहा, मैं कुछ ऐसा शुरू करने जा रहा हूं जिसे मैं ट्रथजीपीटी या मैक्सिमम ट्रुथ सर्च करने वाला एआई कहता हूं। ये यूनिवर्स के नेचर को समझने की कोशिश करेगा। ट्रूथजीपीटी से ह्यूमन्स को किसी तरह का कोई खतरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि लॉन्च के बाद ट्रूथजीपीटी गूगल और ओपनआई प्लेटफार्म के अलावा एक और नया ऑप्शन देगा।

एसआई में सिवलिजेशन डिस्ट्रक्शन की क्षमता

एलन मस्क ने अपने प्लेटफॉर्म को सेफ बताया लेकिन वो ये भी मानते हैं कि एआई में सिविलाइजेशन को खत्म करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, एआई किसी किसी खराब एयरक्राफ्ट डिजाइन और खराब कार प्रोडक्शन से भी ज्यादा खतरनाक है। साथ ही, एआई में सिवलिजेशन डिस्ट्रक्शन करने की भी क्षमता है।

चैटजीपीटी से कोई भी सवाल पूछ सकते हैं

चैटजीपीटी से आप कोई भी सवाल पूछ सकते हैं। यानी ईमेल लिखने से लेकर सीवी तक आप इससे बनवा सकते हैं। रील या अपनी वीडियो कैसे वायरल करना है, इसका भी जवाब चैटजीपीटी देता है। वाइफ को क्या गिफ्ट दें, इस पर भी चैटजीपीटी आपको सुझाव देता है। जैसे यदि किसी स्टूडेंट को डेमोक्रेसी पर निबंध लिखना है तो वह तुरंत चैटजीपीटी पर टाइप करेगा डेमोक्रेसी पर निबंध कैसे लिखे।

चीन में दो जगह आग, 32 से ज्यादा लोगों की मौत

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन में एक अस्पताल और फैक्टरी में आग लगने की अलग अलग घटनाओं में करीब 32 लोगों में आग से मौत हो गई। मंगलवार को यह जानकारी सरकार नियंत्रित चाइना डेली के अनुसार, बीजिंग के फेंगताई में एक अस्पताल के दाखिला भवन में मंगलवार को दोपहर 12 बजकर 57 मिनट (स्थानीय समयानुसार) पर आग लग गई, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। आग दोपहर करीब एक बजकर 33 मिनट पर बुझा ली गई और दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बचाव अभियान खत्म हुआ। चीन के पूर्वी झेजियांग प्रांत में जिनहुआ शहर के वुई काउंटी में सोमवार को एक फैक्टरी में आग लगने की एक अन्य घटना में 11 लोगों की आग में झुलसकर मौत हो गई।

सूडान में अब तक 200 से अधिक लोगों ने गंवाई जान

24 घंटे के लिए हुआ संघर्ष विराम

खार्तूम, (एजेंसी)। सूडान में सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच शुरू हुई में संयुक्त राष्ट्र सहायता कर्मियों सहित 200 से अधिक नागरिक मारे गए हैं और 1800 से अधिक घायल हुए हैं। हालांकि, सूडान में काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसियों का दावा है कि मृतकों की सही संख्या इससे काफी अधिक है।

खार्तूम में सूडानी सेना और वायु सेना अर्द्ध सैनिक बलों के ठिकाने पर हवाई हमले कर रही है। वहीं, राजधानी की सड़कों पर टैंकों और दूसरे बख्तरबंद वाहनों को गश्त करते देखा गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लोग भोजन और पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लोगों को इलाज और दवाइयां भी नहीं मिल पा रही हैं। अस्पतालों में घायलों की भीड़ भरी हुई है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को कहा कि सूडान में अमेरिकी दूतावास का एक काफिला गोलीबारी की चपेट में आ गया। उन्होंने हमके की कड़े शब्दों में निंदा की। सूडान पर नियंत्रण के लिए सेना और प्रतिद्वंद्वी बलों में चौथे दिन भी लड़ाई जारी है।

जयशंकर की सिद्धारमैया को खरी-खरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सूडान में चल रही लड़ाई के बीच वहां फंसे भारतीयों को लेकर कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने चिंता जाहिर की थी। ट्वीट किया खबर है कि हक्की-पक्की जनजाति के 31 आदिवासी, जो कि कर्नाटक के रहने वाले हैं, वो गृहयुद्ध से परेशान सूडान में फंसे हुए हैं। इस ट्वीट पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने करारी प्रतिक्रिया की है। कांग्रेस नेता के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आपके ट्वीट से स्तब्ध हूं! आपने बस ट्वीट करके अपील की। वहां जीवन दांव पर हैं। ऐसे में इस मामले में राजनीति मत कीजिए। सुरक्षा कारणों के कारण उन लोगों का स्थान और विवरण सार्वजनिक नहीं कर सकते। दूतावास इसे लेकर लगातार मंत्रालय के संपर्क में है।

पुतिन ने यूक्रेन के दो क्षेत्रों का किया दौरा

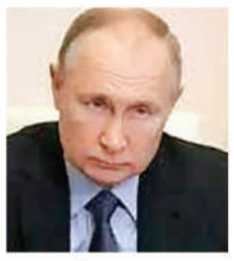

मास्को का दावा यूक्रेन के बखमुत पर किए हमले

लुहांस्क, (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के दो क्षेत्रों में अपने कमांडरों से मुलाकात की है, जिस पर मॉस्को दावा करता है कि रूस ने यूक्रेन के तबाह हुए शहर बखमुत पर भारी गोलाबारी की और हवाई हमले किए। क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन ने यूक्रेन के दक्षिणी खेरसॉन क्षेत्र में एक सैन्य कमान की बैठक में भाग लिया था और सोमवार को पूर्वी लुहांस्क में एक राष्ट्रीय रक्षक मुख्यालय का दौरा किया था। पुतिन ने हवाई सेना के कमांडरों और नीपर सेना समूह के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से रिपोर्ट सुनी।

जिन्होंने उन्हें दक्षिण में खेरसॉन और जापोरिज्जिया क्षेत्रों की स्थिति के बारे में जानकारी दी। क्रेमलिन ने कहा कि न तो रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू और न ही जनरल स्टाफ के प्रमुख वालेरी गेरासिमोव सुरक्षा एहतियात के तौर पर पुतिन की यात्रा में शामिल हुए। यूक्रेनी राष्ट्रपति के एक वरिष्ठ सहायक, मायखाइलो पोडोलीक ने ट्विटर पर पुतिन की यात्रा का मजाक उड़ाने के लिए कब्जे वाले और बर्बाद क्षेत्रों में सामूहिक हत्याओं के लेखक के विशेष दौरे के रूप में आखिरी बार अपने नाबालिगों के अपराधों का आनंद लेने के लिए लिया।

कीव और पश्चिम ने रूसी सेना पर कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्र में युद्ध अपराध करने का आरोप लगाया, जिसे मास्को ने नकार दिया। खेरसॉन, जापोरिज्जिया, लुहांस्क और डोनेट्स्क चार क्षेत्र हैं जिन्हें पुतिन ने पिछले सितंबर में घोषित किया था, जिसके बाद यूक्रेन ने कहा था कि वे दिखावटी जनमत संग्रह थे। रूसी सेना केवल चार क्षेत्रों को आंशिक रूप से नियंत्रित करती है।रूसी सैनिक पिछले नवंबर में क्षेत्रीय राजधानी खेरसॉन शहर से पीछे हट गए थे, और एक यूक्रेनी जवाबी हमले की प्रत्याशा में निप्रो नदी के विपरीत तट पर अपनी स्थिति को मजबूत कर रहे हैं।

मनीष सिसोदिया की जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की ईडी मामले में दाखिल जमानत याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट अब 26 अप्रैल को जमानत पर फैसला सुनाएगी।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने जमानत का विरोध किया। एक पुराने फैसले को सामने रखते हुए ईडी के वकील ने कहा कि कोर्ट को इस स्टेज पर जमानत नहीं देनी चाहिए। मनीष सिसोदिया के वकील ने कहा ईडी का काम ये बताना नहीं है जीओएम और कैबिनेट में क्या हुआ? ईडी को ये बताना चहिए कि अगर कोई अपराध हुआ है तो इससे किसको फायदा पहुंचा है। सिसोदिया के वकील ने कहा कि सिर्फ अनुमानों के आधार पर सिसोदिया को हिरासत में नहीं रखा जा सकता है। उनके खिलाफ कोई मनी लांड्रिंग का मामला नहीं बनता है। सिसोदिया के वकील ने कहा क्या कोर्ट ये कह सकता है कि टेंडर के लिए लॉटरी क्यों निकाली गई?

बिहार-बंगाल समेत नौ राज्यों में हीटवेव

चार राज्यों में बारिश-ओलों को लेकर अलर्ट

इन शहरों का 40 पार पहुंचा तापमान

बारीपदा	(44.2 डिग्री)
अकोला	(42.8 डिग्री)
चंद्रपुर	(43.2 डिग्री)
ब्रह्मपुरी	(43.1 डिग्री)
गोंदिया	(42 डिग्री)
अमरावती	(42 डिग्री)

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में भारी गर्मी और हीटवेव सितम ढा रही है। पश्चिम बंगाल, बिहार और आंध्र प्रदेश में भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में तेज आंधी और बारिश के कारण भीषण गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

देश के अधिकांश हिस्सों में गर्मी अपना तेवर दिखाना शुरू कर दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने पश्चिम बंगाल, बिहार और आंध्र प्रदेश में भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया है। झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, सिक्किम, पंजाब और हरियाणा में हीट वेव चलने की संभावना है। संभावना जताई जा रही है कि दिन में पारा 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। दिल्ली-हृष्टक्र के कुछ इलाकों में आज तेज आंधी और बारिश की संभावना है। कई जगह बादल छाने से भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। इस बीच एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है जिसके चलते पश्चिमी हिमालय और आस-पास के मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी। मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में सक्रिय एक पश्चिमी विक्षोभ मंगलवार से उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में गर्मी से राहत मिलेगी।

अजित पवार की दो टूक, भाजपा के नहीं, एनसीपी के साथ था और हूं...

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार के कथित विद्रोह की अटकलों के बीच मंगलवार को पार्टी नेता अनिल पाटिल ने उनसे मुलाकात की।

मुंबई में मुलाकात के बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कहा, दादा एनसीपी के साथ हैं, उन्होंने किसी और से चर्चा नहीं की है। महाराष्ट्र की राजनीति में चल रही चर्चाओं और घटनाक्रमों को देखते हुए कई तरह की भविष्यवाणियां की जा रही है। एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार के भाजपा में शामिल होने की खबरों से राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई।

हालांकि पार्टी प्रमुख शरद पवार के खिलाफ विद्रोह करने के दावों पर खुद अजित पवार ने अब स्पष्टीकरण दिया हैं। एनसीपी छोड़ने की खबरों पर दिग्गज नेता और महाराष्ट्र विस में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने कहा, मेरे बारे में फैली अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। मैं एनसीपी के साथ हूं और पार्टी के साथ रहूंगा। मैंने किसी विधायक के हस्ताक्षर नहीं लिए हैं। अब सभी अफवाहें बंद होनी चाहिए। इससे पहले एनसीपी नेता अजित पवार के कथित रूप से बगावत करने की अटकलों के बीच पार्टी नेता अनिल पाटिल ने उनसे मुंबई में मुलाकात की।

सुप्रिया सुले का बड़ा दावा

तमाम अटकलों के बीच शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने कहा कि 15 दिनों में दो बड़े राजनीतिक धमाके होंगे, एक दिल्ली में और दूसरा महाराष्ट्र में। पिछले हफ्ते, शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे) के नेता संजय राउत ने कहा कि एनसीपी के साथ अजित पवार का भविष्य उज्ज्वल है और वह भाजपा में शामिल नहीं हो सकते हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए संजय राउत ने कहा कि एनसीपी नेता अजित पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। मुझे नहीं लगता कि वह ऐसी चीजें करेंगे और भाजपा के साथ जाएंगे।

शरद पवार ने क्या कहा?: पुणे जिले के पुरंदर इलाके में शरद पवार ने पत्रकारों से कहा कि मीडिया के दिमाग में जो चर्चा चल रही है, वह हमारे दिमाग में नहीं चल रही। पवार ने कहा कि इन सब पर बात करने का कोई फायदा नहीं है। इन खबरों का कोई मतलब नहीं है।

दहशत — वकील दयाशंकर मिश्रा ने सोमवार को बताया था अपनी जान को खतरा

अतीक के वकील के घर के पास फोड़े तीन देसी बम

प्रयागराज, (ब्यूरो)। मंगलवार को कटरा स्थित गोबर गली में देशी बम के धमाके किए गए। इस गली में अतीक अहमद के वकील दया शंकर मिश्र भी रहते हैं। फिलहाल बम के धमाके से कोई हताहत नहीं हुआ है। परंतु वकील मिश्र का कहना है उन्हें डराने के लिए धमाका किया है, वहीं पुलिस का कहना है कि दो गुटों का संघर्ष बता रही है। पुलिस का कहना है कि अतीक के वकील से कोई मतलब है। पुरानी रंजिश में तीन देशी बम फोड़े गए। कर्नलगंज थानाध्यक्ष राम मोहन राय के अनुसार घटना गोबर गली की है। यहां रहने वाले हर्षित तथा रौनक आकाश सिंह आदि के साथ पैसों को लेकर विवाद था।

बंद लिफाफे में छिपा है मौत का राज

माफिया से नेता बने अतीक अहमद और पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ की मौत का राज बंद लिफाफे के भीतर है। अतीक अहमद के अधिवक्ता मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि दोनों भाइयों की मौत का राज लिफाफे में बंद है। यह लिफाफा किसके पास है, जिसके पास तक पहुंचना था वहां भेजा गया कि अभी नहीं यह भी एक राज है।

हत्या में इस्तेमाल विदेशी पिस्टल डी -2 गैंग के बाबर ने दी थी

प्रयागराज में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल शनिवार रात साढ़े दस बजे हत्या कर दी गई। हत्या के बाद तीनों आरोपियों ु द को सरेंडर कर दिया। अब इस मर्डर केस को लेकर हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। माफिया ब्रदर्स हत्याकांड में एसटीएफ ने बड़ा खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि जिस पिस्टल से अतीक पर आठ और अशरफ पर पांच गोलियां बरसाई गई, उसका इंतजाम डी-2 गैंग के सदस्य रहे बाबर ने किया था।

अतीक की बीवी शाइस्ता अभी लापता , गुड्डू मुस्लिम की तलाश जारी

यूपी पुलिस अब तक माफिया अतीक अहमद की बीवी शाइस्ता परवीन और गुड्डू मुस्लिम को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। दोनों की धर-पकड़ के लिए अभियान जारी है। एसटीएफ डीआईजी अनंत देव तिवारी ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी। बता दें कि अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद गुड्डू मुस्लिम का नाम सुर्खियों में हैं। मरने से पहले आखिरी बार अशरफ ने गुड्डू मुस्लिम का नाम भी लिया है। कहा यह भी जा रहा है कि गुड्डू मुस्लिम ने ही पुलिस को असद और गुलाम के बारे में जानकारी दी थी। एसटीएफ डीआईजी ने बताया कि गुड्डू मुस्लिम और शाइस्ता को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। इस बारे में प्रयास किए जा रहे हैं। सभी टीमों को इस काम पर लगा दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि हम जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लेंगे। एसटीएफ आईजी अमिताभ यश ने कहा कि गुड्डू बेहद खतरनाक अपराधी है और वह एक प्रोफेशनल बमबाज भी है।

उमेश पाल मर्डर के लिए असद ने इलाहाबादी स्टाइल में दी थी धमकी, मांगे थे एक करोड़

प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड से जुड़े सबूत में इस मर्डर को अंजाम देने के लिए असद एक बिल्डर को फोन पर लगातार धमकी देता है। वो बार-बार उसे कॉल और मैसेज भेजकर धमकी दे रहा था। उस धमकी से जुड़ा बड़ा सबूत मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2023 में ही असद इस हत्याकांड की साजिश में जुट जाता है। बिल्डर कुछ बातों को लेकर जब आनाकानी करता है तब असद कहता है- वो कहावत है न खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है। शुरुआत अतीक की धमकी से शुरू होती है। अतीक ने जनवरी 2023 में बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम को धमकी दी थी और एक करोड़ का इंतजाम कर उसे असद के हाथों में देने के लिए कहा था। 9 जनवरी 2023 को असद ने उसी बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम को फोन किया था, लेकिन पहली बार में बिल्डर ने फोन नहीं उठाया था।

आभूषण की चोरी करने वाले राष्ट्रीय स्तर के शातिर चोरों को सिगरा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने दबोचा

प्रखर वाराणसी। पुलिस आयुक्त द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त काशी जोन व सहायक पुलिस आयुक्त चेतगंज के कुशल नेतृत्व में थाना सिगरा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 0091/2023 धारा 380 भाद(वि) व बढोत्तरी धारा 411/413/420 भादवि (0) से सम्बन्धित अभियुक्त वशीम खान पुत्र स्व मो0 शरीफ खान निवासी गली नं0 11 सैनिक कालोनी ग्रास मण्डी नकटिया थाना कैन्ट जनपद बरेली उम्र 35 वर्ष,शहकार खान पुत्र शमशाह खान निवासी 473 रोहिली टोला नियर कांकड टोला थाना बारादरी उम्र 35 वर्ष,फरहत यार खान पुत्र स्व0 नाजिम यार खान निवासी 434 रोहिली टोला नियर कांकड टोला थाना बारादरी उम्र 38 वर्ष, दुशयन्त सिंह पुत्र स्व निर्भय सिंह निवासी रजत बिहार कालोनी सेन्ट जान स्कूल के सामने संजय नगर कालोनी थाना ईज्जत नगर जनपद बरेली उम्र 35 वर्ष, विक्की वर्मा उर्फ कृष्ण गोपाल पुत्र स्व जगदीश प्रसाद वर्मा निवासी मोहल्ला कोटपुर पुराना शहर बरेली थाना बारादरी जनपद बरेली उम्र 48 वर्ष को बाजरिया तिराहे थाना क्षेत्र बारादरी जनपद बरेली से दिनांक 18/04/2023 समय करीब 11.00 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के उपरान्त अभियुक्त को जनपद बरेली से माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर ट्रांजिट रिमाण्ड पर लाया गया,अभियुक्त से पूछताछ किया जा रहा है। अभियुक्त द्वारा अन्य घटनाएं व उक्त घटना से सम्बन्धित अन्य बाते बतायी गयी जिसके सम्बन्ध में न्यायालय से पुलिस कस्टडी रिमाण्ड हेतु आवेदन किया जायेगा। आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।पूछताछ अभियुक्त उपरोक्त सामूहिक व अलग- अलग पूछताछ में बता रहे हैं कि हम सभी लोग जनपद बरेली के रहने वाले है और बरेली से चलकर टाटा नेक्सान कार से जनपद प्रयागराज में दिनांक 30/03/2023 को पहुंचे। प्रयागराज में हम लोग उक्त टाटा नेक्सन कार में वढ 65 उे 6619 नम्बर लगाये हुए थे वहाँ भी हम लोगों ने कई जगह बन्द मकानों की तलाश चोरी करने के लिए किया था परन्तु कोई बन्द मकान हमें नहीं मिला फिर हम लोग दिनांक 31/03/2023 को सुबह जनपद प्रयागराज से चलकर जनपद वाराणसी समय 11:00 बजे दिन में पहुंचे। वाराणसी पहुँचने से पहले ही उपरोक्त कार में नम्बर प्लेट वढ 32 ङढ 6757 लगा लिये थे और बनारस क्षेत्र में कई जगहों बन्द फ्लैटों की तलाश किये नहीं मिला तो हम लोग सिगरा थाना क्षेत्र के बिल्डिंग के प्रथम तल पर एक बन्द फ्लैट मिला जिसका ताला तोड़कर हम चारों में वशीम खान और शहकार खान दो लोग फ्लैट के अन्दर प्रवेश किये और फरहत यार खान, दुशयन्त सिंह दो लोग बाहर कार में ही रुके रहे। उक्त फ्लैट में रखे आलमारी के लाकर को हम लोगों ने तोड़कर उसमें रखे आभूषण व नगद 4,000/- रू० को चोरी कर लिया। चोरी करने के उपरान्त हम सभी चारो लोग उसी कार में सवार होकर बिहार की ओर चले गये और बिहार के पटना शहर में सड़क के किनारे एक बन्द मकान में हमने चोरी की घटना को अंजाम दिया। बिहार से हम लोग चलकर झारखण्ड पहुँचे और झारखण्ड में भी एक बन्द मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। उक्त चोरियों के पश्चात हम चारो लोग बरेली पहुंच गये। पूछताछ में यह भी बता रहे है कि हम लोग चार पहिया वाहन से एक बार निकलकर वाहन का नम्बर प्लेट बदल- बदलकर विभिन्न प्रान्तों के विभिन्न शहरों में फ्लैटो / मकानों में चोरी करते हैं हम लोग पहले भी कई चोरियाँ किये किन्तु पकड़े नहीं गये थे।

कंपोजिट विद्यालय रानीपुर रजमो पर स्कूल चलो अभियान की निकाली गई रैली

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। कंपोजिट विद्यालय रानीपुर रजमो, प्राथमिक विद्यालय रानीपुर रजमो द्वितीय, प्राथमिक विद्यालय रामपुर के बच्चों द्वारा संयुक्त रैली निकाली गई रैली को खंड शिक्षा अधिकारी मुहम्मदपुर राकेश कुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रानीपुर रजमो मान सिंह, पूर्व प्रधानाध्यापक राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय रामपुर घनश्याम उपाध्याय, नोडल संकुल शिक्षक अंजनी मिश्रा, रमाकांत भारतीय, महेंद्र कुमार,धर्मेंद्र, ज्ञानप्रकाश सिंह, सौम्या पाण्डेय, अभिनव त्रिपाठी, शालिनी मिश्रा,मंजू यादव,सरिता, सुनीता, सुजीत सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहें। इस अवसर पर सभी लोगो ने ग्रामवासी से अपील किया की सरकार के निरंतर कार्य करने की वजह से अब परिषदीय स्कूल में शिक्षा का स्तर बहुत अच्छा हो गया है इस लिए आप लोग अधिक से अधिक संख्या में बच्चो का प्रवेश परिषदीय स्कूल में कराएं। हम बच्चों का नारा है शिक्षा अधिकार हमारा है, बच्चे मांगे प्यार दो शिक्षा अधिकार दो, सब पढ़े सब बढ़े, मम्मी पापा हमें पढ़ाओ स्कूल में चलकर नाम लिखाओ, पापा सुन लो बिना हमारी पढ़ने की है उम्र हमारी जैसे नारे लगाकर लोगों को जागरूक कर रहे थे। रैली ग्राम पंचायत रानीपुर रजमो के पहिलेपुर ,रानीपुर रजमो, रामपुर एवं अन्य सभी पुरवे में भ्रमण कराया गया।

रोडवेज बस के सामने किन्नरों ने किया हंगामा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मंगलवार की शाम लंका बस स्टैंड के पास रोडवेज बस को सड़क के बीचो बीच रोककर किन्नरों ने अर्धनग्न होकर हंगामा करने लगे। जिसे देखकर आसपास के लोगों की काफी भीड़ इकट्ठा हो गई जिससे सड़क जाम हो गया। किन्नरों के हंगामा को देखकर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को किन्नरों को समझाने बुझाने में बहुत परेशानी उठानी पड़ी। जानकारी के अनुसार लंका बस स्टैंड के पास रोडवेज बस में किराया को लेकर कंडक्टर और यात्रियों के बीच नोकझोंक हो गई। कंडक्टर रोशन कुमार त्रिपाठी ने बताया की गलती से एक ही व्यक्ति का दो बार किराया ले लिया था जिसकी जानकारी होने पर पुनः पैसा वापस कर दिया उसी बात को लेकर यह लोग हंगामा करने लगे और हमारे साथ मारपीट भी किए हैं तथा पैसा का बैग भी छीनने का प्रयास किया। वही आरोप है की किन्नरों के साथ दिव्यांग पति पत्नी और एक बच्चा वाराणसी से गाजीपुर के लिए बस में चढ़े थे। कंडक्टर द्वारा दिव्यांग महिला से भी किराया लिया गया और पीछे की सीट पर बैठे किन्नर का किराया दोबारा ले लिया जब दिव्यांग महिला ने दोबारा किराया लेने की बात कही तो कंडक्टर ने उसे लात मारकर नीचे गिरा दिया जिसके बाद बस में सवार किन्नर ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया उसके बाद किन्नरों ने बस के आगे खड़े होकर जोरदार हंगामा करने लगे। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने बहुत मशक्कत के बाद बीच-बचाव कर किसी तरह से मामला शांत किया मौके पर पहुंची पुलिस ने हंगामा कर रहे किन्नरों और दिव्यांग दंपति समेत आरोपी कंडक्टर को भी कोतवाली ले गई।

यूटा ने उठाई समय परिवर्तन की मांग, सौंपा ज्ञापन

प्रखर कुशीनगर। गर्मी के तीखे होते तेवरों के मध्य बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर को देखते हुए यूटा संगठन ने सरकारी स्कूलों के समय परिवर्तन की मांग उठाई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को संगठन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपकर समय परिवर्तन का अनुरोध किया। यूनाइटेड टीचर्स एसोशिएशन कुशीनगर के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने बीएसए को ज्ञापन सौंपकर बताया कि समय से पहले ही भीषण गर्मी के चलते छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है, यहां तक कि उन्हें वर्तमान स्कूल समय के अनुसार दोपहर दो बजे तक स्कूलों में रोक पाना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसी स्थिति में जल्दी ही प्रशासन को बच्चों के हित मे निर्णय लेना चाहिए। संगठन ने विद्यालय 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलाने की मांग की है। बीएसए रामजियावन मौर्य ने संगठन की मांग के अनुरूप सहानुभूति पूर्वक विचार कर कार्रवाई का आश्वासन भी दिया। इस दौरान अनन्त सिंह, सुबोध कुमार शुक्ल, राकेश प्रसाद, विनोद यादव, वीरबहादुर गोंड, रामेश्वर नाथ गुप्त, नियाज अहमद, राघवेंद्र वर्मा आदि संगठन के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

आजमगढ़ जिले के कोतवाली जीयनपुर में वाहनों की नीलामी 20 को

प्रखर आजमगढ़। राजस्व की प्राप्ति हेतु थाने में कई सालों से रखी हुई गाड़ियों की आज नीलामी की जायेगी। जिसमें कई प्रकार के वाहन हैं। यह नीलामी श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय सगड़ी व प्रभारी निरीक्षक यादवेंद्र पाण्डेय थाना जीयनपुर आजमगढ़ के उपस्थिति में थाना जीयनपुर पर दिनांक 20.04.2023 को की जायेगी।

भीषण गर्मी को देखते हुए गाजीपुर में 21 अप्रैल तक स्कूल बंद

प्रखर गाजीपुर। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए गाजीपुर जनपद में एक से आठ तक के विद्यालयों को 21 अप्रैल तक बंद कर दिया गया है। साथ ही कई जिलों के स्कूलों का टाइमिंग भी बदल दिया गया है। गाजीपुर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमंत राव ने बताया कि वर्तमान समय में तेज धूप और बढ़ती गर्मी को देखते हुए डीएम के आदेश पर कक्षा कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूल 21 अप्रैल तक बंद कर दिए गए हैं।

बागी प्रत्याशियों ने भाजपा, सपा का बिगाड़ा खेल

खेतासराय में चेयरमैन पद के लिए 10 प्रत्याशी मैदान में

मोहम्मद अरशद

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। नगर पंचायत खेतासराय में अध्यक्ष पद का चुनाव खासा दिलचस्प हो गया है। भाजपा और सपा के बागी उम्मीदवारों द्वारा अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर देने से चुनावी गणित फेल होने की संभावना प्रबल होने लगी है। भारतीय जनता पार्टी ने यहां से पूर्व चेयरमैन श्रीमती निर्मला गुप्ता पत्नी स्व जंग बहादुर गुप्त के बेटे रूपेश गुप्ता मोनू को अपना उम्मीदवार बनाया है। समाजवादी पार्टी ने निवर्तमान चेयरमैन वसीम अहमद पर अपना दांव लगाया है। भाजपा प्रत्याशी के विरोध में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा काशी क्षेत्र से जुड़े संजीव कुमार गुप्त ने खुद तो अपना नामांकन दाखिल किया और अपने ही परिवार से श्रीमती लालमनी गुप्ता का भी नामांकन कराया है। इसी प्रकार सपा उम्मीदवार वसीम अहमद के विरोध में उनकी ही पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता मोहम्मद असलम ने अपने नामांकन का पर्चा दाखिल कर बगावत की चिंगारी फूंक दी है।और अन्य उम्मीदवारों में बसपा से मोहम्मद इरफान अहमद, फैयाज अहमद, नरगिस इरफान, फारूक आजम समेत कई अन्य प्रत्याशी मैदान में हैं। वैसे नाम वापसी के बाद चुनावी अखाड़े में कितने प्रत्याशी सामने आएंगे यह तो 2 दिन बाद ही पता चलेगा। लेकिन नगर पंचायत खेतासराय में भाजपा और सपा के अधिकृत प्रत्याशियों के विरोध में उनके ही पार्टी के जमीनी कार्यकताओं द्वारा अपनी उम्मीदवारी का पर्चा दाखिल करने से पार्टी हाईकमान की चिंताएं बढ़ गई हैं।

अस्पताल जाने के लिए एम्बुलेंस का किया इस्तेमाल, जच्चा-बच्चा हैं खुशहाल

प्रखर कुशीनगर। प्रसव के लिए अस्पताल जाने में निजी साधन का इस्तेमाल करने से बेहतर 102 नम्बर एम्बुलेंस सेवा का प्रयोग है। इसमें प्रसव सम्बंधित सभी प्राथमिक सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। अगर समय रहते एम्बुलेंस बुला लिया जाए तो वह अस्पताल पहुंचा देती है, और सुरक्षित संस्थागत प्रसव हो जाता है, लेकिन रास्ते में प्रसव पीड़ा बढ़ भी गयी तो प्रशिक्षित एम्बुलेंस कर्मी एम्बुलेंस में भी सुरक्षित करवा देते हैं। ताजा मामला हाटा क्षेत्र के सकरौली गांव का है, जहां हेल्प डेस्क ईएमटी ने विशेष परिस्थिति में एम्बुलेंस में बीते हफ्ते प्रसव करवाया था। एम्बुलेंस कर्मी के प्रयासों से इस समय जच्चा-बच्चा खुशहाल जीवन जी रहे हैं। जनपद के हाटा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सकरौली निवासी एक गर्भवती को प्रसव पीड़ा हुई तो 102 नम्बर एम्बुलेंस को सूचना दिया। मात्र 12 मिनट में ही एम्बुलेंस गर्भवती के घर पहुंच गयी। प्रसव कराने के लिए जब उसे हाटा सीएचसी पर लाया जा रहा था तो घर से करीब आधा किमी जाने पर प्रसव पीड़ा तेज हो गयी। 102 नम्बर एम्बुलेंस सेवा की हेल्प डेस्क ईएमटी शीतल द्विवेदी ने पायलट मुराली राय को एम्बुलेंस रोकने के लिए कहा। महिला स्वास्थ्य कर्मी ने एम्बुलेंस में ही सुझबूझ से सुरक्षित प्रसव करा दिया। शीतल द्विवेदी ने बताया कि बीते गुरुवार को प्रसूता को प्रसव पीड़ा हुई तो सायं 4.50 बजे 102 नम्बर एम्बुलेंस पर काल आई। शाम 5.02 बजे एम्बुलेंस गर्भवती के दरवाजे पर पहुंच गयी। उसे प्रसव के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हाटा लाया जा रहा था कि रास्ते में ही प्रसव कराना पड़ा और इसके बाद जच्चा-बच्चा को सीएचसी हाटा लाया गया। सीएचसी पर स्टॉफ नर्स जच्चा-बच्चा को स्वस्थ बताते हुए भर्ती कर लिया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आरसीएच) डॉ.आरडी कुशवाहा ने बताया कि जब गर्भवती पहली बार जांच कराने अस्पताल जाती हैं तो आशा और एएनएम द्वारा गर्भवती को प्रसव की सम्भावित तिथि के बारे में बता दिया जाता है, ऐसे में उस सम्भावित तिथि के आसपास के समय जब किसी भी गर्भवती को प्रसव पीड़ा शुरू हो तो तत्काल 102 नम्बर एम्बुलेंस को काल कर लें ताकि अस्पताल पर ले जाकर सुरक्षित संस्थागत प्रसव कराया जा सके। रही बात एम्बुलेंस में ही प्रसव होने की तो एम्बुलेंस पर प्रशिक्षित कर्मी रहते हैं , जो सुरक्षित प्रसव कराने में सक्षम हैं। गर्भावस्था में प्रसव के लिए ले जाते समय निजी साधनों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

एम्बुलेंस में हुआ सुरक्षित प्रसव- प्रसूता रीना देवी (32) ने बताया कि प्रसव पीड़ा शुरू होने पर एम्बुलेंस बुलाया गया। थोड़ी ही देर में एम्बुलेंस दरवाजे पर आ भी गयी। प्रसव कराने के लिए हाटा ले जाया जा रहा था कि घर से थोड़ी दूर जाने पर दर्द बहुत तेज हो गया। परिवार की सहमति पर शीतल द्विवेदी ने एम्बुलेंस रोकवा दिया। उन्होंने सुरक्षित प्रसव करा दिया।

प्रदेश में नहीं है कानून का राज : ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाकपा माले ने ध्वस्त कानून व्यवस्था के खिलाफ , खांनपुर थाना क्षेत्र के हथौड़ा गांव में प्रदेश सरकार का पुतला फूंकने पर जनसंगठनों के तीन कार्यकताओं को गिरफ्तार कर लेने और कई अन्य की धरपकड़ के लिए पुलिस द्वारा छापे डालने की कड़ी निंदा की है। पार्टी ने इसे लोकतंत्र-विरोधी दमनकारी कार्रवाई बताते हुए गिरफ्तार कार्यकताओं की अविलंब रिहाई व धरपकड़ पर फौरन रोक लगाने की मांग की है। जमानियां कस्बा में कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि एक ओर अपराधियों के हौसले बुलंद हैं वे सरेआम गोली मार रहे हैं। पुलिस हिरासत में डबल मर्डर के प्रयागराज की घटना के बाद जालौन में परीक्षा दे कर घर लौट रही छात्रा को बीच सड़क दिन दहाड़े गोली मारी गई। उन्नाव में जमानत पर छूटे गैंगरेपिस्टों ने बलात्कार पीड़िता का न सिर्फ घर जला दिया बल्कि परिवार के दूधमुंहे दो बच्चों को जलती आग में फेंक दिया। ये घटनाएं दिखाती हैं कि प्रदेश में कानून का राज नहीं है। दूसरी तरफ, कानून व्यवस्था के नाम पर राजनीतिक विरोध का गला दबाया जा रहा है और कार्यकताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है। जिला सचिव शशिकांत कुशवाहा ने कहा कि खांनपुर थाने में माले नेता पंकज भारद्वाज, अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला कार्यकारिणी सदस्य आजाद यादव और संजय विश्वकर्मा को पुतला दहन करने पर कल से लेकर आज एक के बाद एक गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारियों का सिलसिला जारी है। माले नेता ने कहा कि वामपंथी दलों ने प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर गुरुवार 20 अप्रैल को संयुक्त रुप से हर जिले में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन अधिकारियों को सौंपने का निर्णय लिया है। उन्होंने अगाह किया कि इस प्रतिवाद कार्यक्रम में कोई प्रशासनिक बाधा न डाली जाए।

संक्षिप्त खबरें

ईद को लेकर जमकर हो रही सेवई की खरीदारी

नजदीक आई ईद, बाजारों में बढ़ने लगी रौनक

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। एक महीने तक पवित्र रमजान के महीने में अल्लाह की इबादत के बाद तोहफे के रूप में ईद का त्योहार होता है। ईद के त्योहार को लेकर जब बात दावतों की आती है, तो सबसे पहला नाम सेवईयों का आता है। इस बार भी ईद का त्योहार सेवई के स्वाद से ही मनाया जाएगा। भले ही दावत का न्योता किसी को न दिया गया हो, पर मुंह तो मीठा सेवई से ही होगा। ईद को लेकर बाजार में सेवई की दुकानें सज गई है। और कपड़े की दुकान भी सजी हुई है, जहां पर लोग खरीददारी में जुटे हुए हैं। सेवई की खरीद-बिक्री को लेकर खूब रौनक नजर आ रही है। सेवई की कीमत उसकी खूबी और स्वाद के अनुसार है। अपनी-अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार लोग सेवई की खरीददारी कर रहे हैं। दुकानदार भी खरीददारी में कमी से कुछ निराश तो नजर आ रहे हैं, पर उन्हें खुशी है कि ईद का त्योहार तो त्योहार है। ईद का त्योहार भला बिना सेवई के कैसे मनाया जाएगा। ईद को लेकर बाजार में रौनक दिखाई दे रही है।

सखी पैंड बैंक ने जी-20 थीम पर किटी पार्टी का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सखी पैंड बैंक ने बैंक कॉलोनी स्थित बीएसबी लोकल कैफे में जी-20 थीम पर किटी पार्टी का आयोजन किया जिसमें लगभग 35 मेंबर उपस्थित थे न जी-20 थीम पर 20 देशों का नाम लिखाकर गेम का आयोजन किया गया सभी मेंबर्स ने भगवा कलर के कपड़े अब पहने हुए थे` तत्पश्चात सुनीता भार्गव नये जी-20 क्या है इस पर प्रकाश डाला और बताया कि जी -20 बीस देशों का एक समूह है जो आर्थिक व्यवस्था एवं वैश्विक विकास पर ध्यान देता है और बड़े सौभाग्य की बात है कि इस बार भारत इसकी अध्यक्षता कर रहा है जिससे हमारे मोदी जी के क्षेत्र बनारस को भी मीटिंग का आयोजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है सारा बनारस बहुत सुंदर तरीके से उनके स्वागत में सजाया गया है। कार्यक्रम में प्रतिभा सिंह ,ललिता जायसवाल ,सुनीता जादवानी, सुमन श्रीवास्तव सहित इत्यादि लोगों ने भाग लिया।

रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य के अध्यक्षता में हुआ बैठक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य के अध्यक्षता में सिगरा स्थित एक होटल में बैठक का आयोजन हुआ जिसमें रामनगर औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 के उधमी ओमप्रकाश जायसवाल स्वामी मेसर्स प्रकाश आयरन वर्क्स द्वारा अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रान्त से आये हुए उद्यमियों को पाइप स्लॉटिंग मशीन की बिक्री की गई और आगे भी इस तरह के मशीनों की और माँग अमेरिका में होने की प्रबल संभावनाए बन गई है` मशीन के खरीदार अमेरिका के क्रिस्टोफर लूकस, और स्टीपेन हुसलेली ने कहा कि पूरे विश्व मे इस तरह की मशीन सिर्फ यही मिल पाया और इस मशीन के लेने से अमेरिका में उनका उत्पादन तीन गुना बढ़ जायेगा` रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के उधमी ओम प्रकाश जायसवाल जो पाइप स्लॉटिंग मशीन के निमार्ता है उन्होंने बताया की उनकी मशीने इथोपिया, केनिया, दुबई ,अबुधाबी, और अमेरिका के कई प्रान्तों में पूर्व में निर्यात की जा चुकी है और आज फिर अमेरिका के ग्राहक को मशीन बेचा है वे इस तरह के मशीनों का निर्माण विगत 25 वर्षो से कर रहे है इसमे अब उनके साथ उनके सुपुत्र आशिर्वाद व रोहित भी सहयोग कर रहे है` रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य ने कहा की एसोसिएशन को रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के उधमी ओमप्रकाश जायसवाल जी पर गर्व है, की वे आज अमेरिका में इस तरह के मशीन बनाकर निर्यात कर रहे है और प्रधानमंत्री जी के मेक इन इंडिया के स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ रहे है` बैठक में सतीश गुप्ता, अजय राय, पंकज बिजलानी, परेश सिंह, राकेश जायसवाल, अनूप साहू, राजेश जायसवाल, संजय लखमानी, आशीष साहू, शिवपूजन जायसवाल, हरीश कुकरेजा व सीए अशोक मित्तल सहित तमाम उधमी मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं